राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार, 17 जून 2026
वर्ष 14,अंक 68, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

लखनऊ में दो महिलाओं ने विधान भवन के सामने किया आत्मदाह का प्रयास, हरदोई में पुलिस पर अनदेखी का आरोप...03

असम के प्रांतीयकृत कॉलेजों में शिक्षकों- ग्रंथपालों की म्यूचुअल ट्रांसफर की मांग तेज...04हा

सड़क निर्माण पर सवाल उठाने वाले आरटीआई एक्टिविस्ट को सुप्रीम कोर्ट से भी नहीं मिली जमानत

- कहा-ये नया धंधा बन गया
- सुप्रीम कोर्ट ने एक लोक सेवक के काम में बाधा डालने और सरकारी सड़क निर्माण परियोजना में हस्तक्षेप करने के आरोपी आरटीआई कार्यकर्ता राकेश कुमार बहल को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया
- सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि आरटीआई एक्टिविस्ट एक नया बिजनेस बन गया है

सड़क निर्माण कार्य में बाधा डालने के आरोप में फंसे आरटीआई कार्यकर्ता राकेश कुमार बहल को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है. कोर्ट ने सोमवार (15 जून) को उन्हें अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया है. जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस विजय बिश्नोई की बेंच ने सुनवाई के दौरान तीखी टिप्पणियां करते हुए कहा कि आरटीआई एक्टिविज्म अब नया धंधा (बिज़नेस) बन गया है। जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस विजय बिश्नोई की बेंच ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें राकेश कुमार बहल की जमानत याचिका खारिज की गई थी. सुनवाई के दौरान जस्टिस मेहता ने सख्त लहजे में कहा 'आरटीआई एक्टिविस्ट एक नया बिजनेस बन गया है. केंद्र सरकार ने फंड जारी किया है, वह सड़क निर्माण देख लेगी. आप कोई नहीं हैं. तथाकथित आरटीआई एक्टिविस्ट! येलो जर्नलिज्म'।

जस्टिस बिश्नोई ने उठाए सवाल

वहीं जस्टिस बिश्नोई ने भी सवाल उठाया कि राकेश बहल सड़क निर्माण की निगरानी क्यों कर रहे थे. उन्होंने पूछा कि आप कौन होते हैं जो सड़क निर्माण या उसकी प्रगति की निगरानी कर रहे हैं?.क्या आप कोई उच्च अधिकारी हैं?. कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के अग्रिम जमानत न देने के आदेश को बरकरार रखा।

क्या है आरोप

जानकारी के मुताबिक राकेश कुमार बहल और एक अन्य आरोपी पर निर्माणाधीन सड़क का काम रोकने और काम की निगरानी कर रहे शिकायतकर्ता एवं मजदूरों को धमकाने का आरोप है. इसके साथ ही आरोप है कि बहल ने शिकायतकर्ता के साथ मारपीट की, जबकि दूसरे आरोपी ने उसे लात मारी. इसके अलावा मजदूरों के खिलाफ जातिसूचक अपमानजनक टिप्पणी करने का भी आरोप लगाया गया है।

हाईकोर्ट ने भी जमानत देने से किया इनकार

इसके बाद बीएनएस, 2023 की धारा 304(2), 132, 221, 121(1), 351(2), 351(3) (बीएनएस, 2023 की धारा 3(5), 121(2) और एससी/एसटी अधिनियम की धारा 3(1)) के तहत एफआईआर दर्ज की गई. पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने भी माना था कि स्नद्धक्र में लगे आरोप सरकारी काम में बाधा डालने की सीधी और स्पष्ट संलिप्तता दिखाते हैं. इसी आधार पर हाईकोर्ट ने अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया था. वहीं अब सुप्रीम कोर्ट ने भी बहल को जमानत देने से इनकार कर दिया है।

जयपुर में कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीप्के पर हमला, युवक ने मारा थप्पड़

- राजस्थान के जयपुर में कॉकरोच जनता पार्टी के अभिजीत दिपके को थप्पड़ मारा गया है
- बताया जा रहा है कि प्रदर्शन के दौरान एक अज्ञात युवक ने अभिजीत दिपके पर हमला कर दिया
- वहीं इस पूरे प्रकरण के बाद अभिजीत ने अपने कार्यकर्ताओं सेशांति बनाए रखने को कहा

राजस्थान के जयपुर में कॉकरोच जनता पार्टी के अभिजीत दीप्के को थप्पड़ मारा गया है. बताया जा रहा है कि प्रदर्शन के दौरान एक अज्ञात युवक ने अभिजीत पर हमला कर दिया. युवक ने अभिजीत को थप्पड़ मार दिया. युवक ने एक के बाद एक कई थप्पड़ मारे. इसके बाद अभिजीत के समर्थकों ने युवक को पकड़कर जमकर पीटा. इसके बाद वहां हंगामा मच गया।

जयपुर के शहीद स्मारक पर कॉकरोच जनता पार्टी के कार्यकर्ता सोमवार को प्रदर्शन कर रहे थे. इसी बीच पार्टी फाउंडर अभिजीत दिपके सभा स्थल पर पहुंचे. सभा स्थल में प्रवेश के दौरान कई युवकों ने उन पर हमला कर दिया. युवकों ने अभिजीत को एक के बाद एक कई थप्पड़ रसीद कर दिए. इसके बाद वहां से फरार हो गए. इस बीच सीजेपी के कार्यकर्ताओं ने युवकों को पकड़कर जमकर पीट दिया. हालांकि मौके पर मौजूद भारी पुलिस ने बल ने आरोपियों को पकड़ लिया. पुलिस ने फिलहाल 3 से 4 युवकों को हिरासत में लिया है. हालांकि पुलिस ने अभी आरोपियों की पहचान उजागर नहीं की गई है. इस घटना के बाद घटना के बाद कार्यकर्ताओं में नाराजगी देखी गई. वहीं इस पूरे प्रकरण के बाद अभिजीत ने अपने कार्यकर्ताओं सेशांति बनाए रखने को कहा।

देशभर में प्रदर्शन कर रही है कॉकरोच पार्टी

जयपुर से पहले अभिजीत इससे पहले दिल्ली, लखनऊ समेत कई जगहों पर अपनी पार्टी के प्रदर्शन में शामिल हो चुके हैं. बता दें कि देशभर के अलग-अलग शहरों कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन जारी है. प्रदर्शन के माध्यम में सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए जा रहे हैं. देश की शिक्षा व्यवस्था, नीट पेपर लीक और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को लेकर कॉकरोच पार्टी लगातार सरकार को निशाने पर ले रही है।

कैसे बनी कॉकरोच जनता पार्टी?

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) एक वास्तविक राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि देश में बढ़ती बेरोजगारी और पेपर लीक जैसी समस्याओं के खिलाफ युवाओं द्वारा शुरू किया गया एक व्यंग्यात्मक (Satirical) सोशल मीडिया आंदोलन है. इसकी शुरुआत मई 2026 में हुई है. इसके फाउंडर अभिजीत दीप्के हैं।

हमला, हमले, डर और कायरता की निशानी

कॉकरोच जनता पार्टी के अध्यक्ष अभिजीत दीप्के ने कहा कि शारीरिक हमले, डर और कायरता की निशानी हैं. हम शांतिपूर्ण तरीके से अपनी आवाज उठाते रहेंगे।

तेज धूप और उमस के बाद हल्की राहत, 41 किमी की रफ्तार से आई आंधी, छाया धूल का गुबार

आगरा। शहर में सोमवार को सुबह से तेज धूप निकली। दिनभर उमस और चुभने वाली धूप की वजह से शहरवासी परेशान रहे। अधिकतम और न्यूनतम तापमान में वृद्धि देखने को मिली। शाम 4:30 बजे के करीब मौसम में बदलाव आया। आंधी के साथ आसमान में धूल के गुबार छा गए। आंधी के बाद ठंडी हवा चलने से गर्मी से परेशान शहरवासियों को राहत मिली। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार मंगलवार को आंशिक बादल छाए रहेंगे। 18 व 19 जून को वर्षा हो सकती है। रात का तापमान बढ़ने से शहर में सोमवार को सुबह से उमस और गर्मी अधिक रही। दिन चढ़ने के साथ धूप भी तेज होती चली गई। घर से बाहर निकलने पर धूप चुभती रही। दिनभर यही स्थिति रही। शाम को मौसम में बदलाव आया। आसमान में काले बादल घिर आए और तेज हवा चलने लगी। धूल उड़ने से राहगीरों के कदम जहां के तहां ठिठक गए। आंधी में कई बैनर व होर्डिंग भी उखड़ गए। एक घंटे तक यही हाल रहा। आंधी ने सुबह से गर्मी से परेशान शहरवासियों को कुछ राहत प्रदान की।

संक्षिप्त ख़बरें

पाली गांव में अवैध खनन का आरोप, ग्रामीणों ने की कार्रवाई की मांग

उन्नाव। अजगैन क्षेत्र के पाली गांव में मानकों को दरकिनार कर लगातार अवैध खनन किए जाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि वर्क ऑर्डर की अनुमति की आड़ में खनन माफिया धड़ल्ले से मिट्टी खनन कर रहे हैं, जबकि संबंधित विभागीय अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार रात के समय खनन माफिया अधिक सक्रिय हो जाते हैं और दर्जनों डंपरों के माध्यम से मिट्टी का परिवहन किया जाता है। रातभर डंपरों की आवाजाही से लोगों की नींद प्रभावित हो रही है। वहीं भारी वाहनों के संचालन से गांव की सड़कें क्षतिग्रस्त हो रही हैं तथा उड़ने वाली धूल से लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि खनन कार्य में एनजीटी के नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। उनका कहना है कि खनन क्षेत्र का सीमांकन नहीं कराया गया, न ही निर्धारित क्षेत्र में झंडियां लगाई गई और न ही सूचना बोर्ड स्थापित किया गया। इसके अलावा मिट्टी से भरे डंपरों को त्रिपाल से ढककर परिवहन करने के नियम का भी पालन नहीं किया जा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि लेखपाल की कथित मिलीभगत और खनन विभाग की उदासीनता के चलते अवैध खनन को बढ़ावा मिल रहा है। उनका कहना है कि संबंधित अधिकारियों की निष्क्रियता के कारण खनन माफिया रात के समय अवैध खनन करने में सफल हो रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो क्षेत्र में पर्यावरणीय और जनस्वास्थ्य संबंधी समस्याएं और गंभीर हो सकती हैं।

आगरा में बवालः पुलिस पर पथराव में 11 जवान घायल, मंत्री के समझाने के बाद भी नहीं माने ग्रामीण

आगरा। फतेहाबाद में ख्वासपुरा के युवक की हादसे में मौत के बाद सोमवार शाम 5.45 बजे बवाल हो गया। रोड पर शव रखकर बैठे ग्रामीणों को हटाने की कोशिश करने पर ग्रामीणों ने पुलिसकर्मियों पर पथराव कर दिया। 15 मिनट तक चले पथराव में 11 पुलिसकर्मी घायल हो गए। इसके बाद कई थानों का पुलिस फोर्स मौके पर पहुंचा। पथराव करने वालों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। बवाल से कुछ देर पहले मत्य पालन मंत्री डॉ. संजय निषाद ग्रामीणों को समझाने पहुंचे थे।उनके कहने पर भी लोग नहीं उठे तो वे वापस चले गए।

बस्ती में 94 क्विंटल राशन कम मिला:कोटेदार का लाइसेंस निलंबित, DM की मंजूरी पर दर्ज होगी FIR

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के कुदरहा ब्लॉक अंतर्गत भंगुरा गांव में उचित दर विक्रेता द्वारा राशन की बड़े पैमाने पर हेराफेरी का मामला सामने आया है। भौतिक सत्यापन के दौरान रिकॉर्ड और वास्तविक स्टॉक में भारी अंतर पाए जाने के बाद पूर्ति विभाग ने दुकान का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। जिलाधिकारी के अनुमोदन के बाद कोटेदार और उसके सहयोगी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पूर्ति निरीक्षक अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि 10 जून को भंगुरा गांव की उचित दर दुकान का भौतिक सत्यापन किया गया था। जांच के दौरान दुकान पर केवल 8.87 क्विंटल गेहूं और 15.50 क्विंटल चावल उपलब्ध मिला। जबकि स्टॉक रजिस्टर के अनुसार, दुकान में 47.52 क्विंटल गेहूं और 70.69 क्विंटल चावल होना चाहिए था। जांच में कुल 38.65 क्विंटल गेहूं और 55.19 क्विंटल चावल कम पाया गया। इस प्रकार, लगभग 94 क्विंटल खाद्यान्न की कमी सामने आई, जिससे राशन वितरण प्रणाली में गंभीर अनियमितता उजागर हुई। विभाग ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रभाव से उचित दर दुकान का लाइसेंस निलंबित कर दिया। पूर्ति निरीक्षक ने बताया कि जिलाधिकारी की मंजूरी के बाद उचित दर विक्रेता रामानंद और उनके सहयोगी संजय कुमार के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम सहित अन्य संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराई जा रही है। विभागीय स्तर पर भी आगे की कार्रवाई की जाएगी। भंगुरा गांव के कार्डधारकों को राशन वितरण में कोई परेशानी न हो, इसके लिए उपभोक्ताओं को अस्थायी रूप से ग्राम पंचायत चकदहा की उचित दर दुकान से संबद्ध कर दिया गया है। अगले आदेश तक सभी पात्र लाभार्थियों को वहीं से खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाएगा। पूर्ति विभाग की इस कार्रवाई से सार्वजनिक वितरण प्रणाली में गड़बड़ी करने वालों को सख्त संदेश गया है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि भविष्य में भी ऐसी अनियमितताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर खजनी में जन कल्याण एवं स्वास्थ्य शिविर आयोजित कार्यक्रम हुआ समपन्न

» विधायक श्रीराम चौहान व जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी ने फीटा काट कर आयोजन का किये श्रीगणेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी गोरखपुर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विकास खण्ड खजनी के अंतर्गत वीर बहादुर सिंह महुराँव हरनही पीजी कॉलेज परिसर में जन कल्याण एवं स्वास्थ्य शिविर का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के लोगों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खजनी के लोकप्रिय विधायक माननीय राम चौहान एवं विशिष्ट अतिथि भाजपा गोरखपुर के जिलाध्यक्ष आदरणीय जनार्दन तिवारी रहे। इस अवसर पर दोनों अतिथियों ने केंद्र सरकार की उपलब्धियों, गरीब कल्याण, सेवा एवं सुशासन के विभिन्न आयामों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास और जनसेवा के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं तथा सरकार समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खण्ड विकास अधिकारी रमेश शुक्ला ने विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं की जानकारी दी तथा अधिक से अधिक लोगों से इन योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों के माध्यम से आमजन को योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई गई तथा स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श की सुविधा भी प्रदान की गई। उपस्थित लोगों ने शिविर का लाभ उठाते हुए सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के प्रति उत्साह व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अंशुमाली धर द्विवेदी ने कार्यक्रम में पधारे अतिथियों, अधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं उपस्थित जनसमूह के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष हरिकेश राम त्रिपाठी, जगदीश चौरसिया, धारणीधर राम त्रिपाठी, भाजपा उनवल मंडल के अध्यक्ष इंद्र कुमार निगम अवध बिहारी मिश्रा धर्मेन्द्र मिश्रा, विजय कुमार तिवारी, ब्रजेन्द्र चतुर्वेदी, श्री योगेश वर्मा, चंद्रभान मद्धेशिया, गजेन्द्र राम त्रिपाठी सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन उत्साह एवं जनभागीदारी के साथ सम्पन्न हुआ।

सिद्धार्थनगर में ग्राम रोजगार सेवकों का फूटा दर्द, प्रभारी मंत्री को ज्ञापन सौंपा

सिद्धार्थनगर। जिला मुख्यालय पर सोमवार को ग्राम रोजगार सेवकों ने प्रभारी मंत्री अनिल राजभर को कलेक्ट्रेट परिसर में घेर लिया। केंद्र सरकार के '12 साल बेमिसाल' कार्यक्रम के समापन के बाद जनपद प्रभारी मंत्री जैसे ही बाहर निकले, प्रदर्शनकारियों ने उन्हें घेर लिया। मंत्री को कड़ी धूप में करीब 15 मिनट तक खड़े होकर उनकी मांगें सुननी पड़ीं। ग्राम रोजगार सेवक (पंचायत मित्र) वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश मंत्री कुलदीप द्विवेदी के नेतृत्व में जिले भर से आए रोजगार सेवक अपनी लंबित मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। उनकी 10 सूत्रीय मांगों में नियमितीकरण, राज्य कर्मचारी का दर्जा, मानव संसाधन नीति लागू करना, बकाया मानदेय भुगतान, सामाजिक सुरक्षा और न्यूनतम 24 हजार रुपये मासिक मानदेय शामिल हैं। यह घटना कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित '12 साल बेमिसाल' कार्यक्रम के बाद हुई। इस कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री अनिल राजभर के साथ जिले के कई अधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम समाप्त होने पर मंत्री जैसे ही सभागार से बाहर आए, रोजगार सेवक उनकी ओर बढ़े और नारेबाजी शुरू कर दी। कुछ ही देर में बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी मंत्री के चारों ओर जमा हो गए। इस दौरान जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन सहित जिले के लगभग सभी वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौके पर मौजूद थे। अचानक बनी इस स्थिति को देखते हुए सुरक्षाकर्मियों ने मोर्चा संभाला, लेकिन प्रदर्शनकारी अपनी मांगों पर डटे रहे। कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया और अधिकारियों की निगाहें मंत्री और प्रदर्शनकारियों के बीच चल रही बातचीत पर टिकी रहीं। प्रदर्शनकारियों ने मंत्री को बताया कि प्रदेश में लगभग 36 हजार ग्राम रोजगार सेवक पिछले कई वर्षों से संविदा पर कार्य कर रहे हैं। वे लंबे समय से अपनी मांगों को पूरा करने की अपील कर रहे हैं। प्रभारी मंत्री अनिल राजभर ने ग्राम रोजगार सेवकों को आश्वासन दिया कि मांगों पर विचार होगा।

चकबंदी अधिकारियों की मनमानी, दलित परिवार के आशियाने को ही वृक्षारोपण के लिए किया चयनित

- 50 वर्षों से बसे दलित परिवार पर संकटः चकबंदी आदेश से उजड़ने की कगार पर पहुंचा पट्टाधारक परिवार, मनमानी के आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के कलवारी मुस्तहकम क्षेत्र में चकबंदी विभाग के एक आदेश को लेकर भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। आरोप है कि वर्षों से पट्टे की जमीन पर मकान बनाकर रह रहे और उसी भूमि पर खेती-बाड़ी कर परिवार का भरण-पोषण करने वाले एक दलित परिवार की आजीविका पर प्रशासनिक निर्णय के कारण गंभीर संकट खड़ा हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दलित जुग्गीलाल और रामलाल पुत्रगण विश्राम का परिवार लगभग 50 वर्षों से गाटा संख्या 33 की भूमि पर निवास कर रहा है। बताया जाता है कि यह भूमि विश्राम को सरकार की ओर से 99 सालों के लिये पट्टे पर मिली थी, जिस पर उन्होंने स्थायी आवास बनाया और खेती-बाड़ी के माध्यम से अपने परिवार का जीवनयापन करते रहे।

आरोप है कि समय के साथ कुछ लोगों की नजर इस जमीन पर पड़ गई और चकबंदी प्रक्रिया के दौरान कथित रूप से प्रभाव का इस्तेमाल कर इस भूमि पर अपना चक बैठवाने का प्रयास किया गया। जब जुग्गीलाल और रामलाल को इस मामले की जानकारी हुई तो उन्होंने विभिन्न स्तरों पर आपत्ति दर्ज कराई और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार अधिकारियों के चक्कर लगाए, और उनके पक्ष में निर्णय भी आया।

आरोप है कि विवादित स्थिति बनने के बाद भी मामले का निष्पक्ष समाधान नहीं निकाला गया। इसके बजाय उपचकबंदी अधिकारी की संस्तुति पर चकबंदी अधिकारी हरैया द्वारा गाटा संख्या 33, रकबा 0.524 हेक्टेयर को वृक्षारोपण के लिए रिजर्व करने का आदेश पारित कर दिया गया। इस निर्णय के बाद प्रभावित परिवार के सामने गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। परिवार का दावा है कि जिस जमीन पर उनका मकान और आजीविका दोनों निर्भर हैं, उसी को वृक्षारोपण हेतु आरक्षित कर दिए जाने से उनके सामने भविष्य को लेकर असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। लोगों का कहना है कि यदि आदेश पर अमल हुआ तो परिवार के पास जीवनयापन का कोई साधन नहीं बचेगा।

मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर यह भी सवाल उठाए जा रहे हैं कि गांव में अन्य ग्राम सभा भूमि उपलब्ध होने के बावजूद इसी पट्टे की भूमि को वृक्षारोपण के लिए क्यों चुना गया। वहीं आरोप है कि कुछ प्रभावशाली लोगों के दबाव और व्यक्तिगत रंजिश के चलते चकबंदी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दबाव में लेकर इस भूमि को वृक्षारोपण के लिये चयनित करवाया गया है। एक तरफ सरकार लोगों को छत मुहैया करवा रही है वहीं एक दलित परिवार के आशियाने को उजाड़ने की तैयारी चकबंदी विभाग ने कर की है। लोगों का कहना है कि यदि वास्तव में भूमि पर दशकों से परिवार निवास कर रहा है और उसका जीवनयापन उसी पर निर्भर है, तो ऐसे मामलों में मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए निर्णय लिया जाना चाहिए। ग्रामीणों ने यह भी मांग की है कि विवादित आदेश की समीक्षा कर प्रभावित परिवार को राहत प्रदान की जाए तथा पूरे प्रकरण में चकबंदी प्रक्रिया की जांच कराई जाए।

अब यह मामला स्थानीय स्तर से निकलकर प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बनने लगा है। यदि आरोपों में सच्चाई पाई जाती है तो यह सवाल खड़ा होगा कि आखिर सरकारी पट्टे पर वर्षों से जीवन गुजार रहे परिवार के अधिकारों की रक्षा कौन करेगा और चकबंदी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी किसकी है।

सैन्य परंपराओं और पोशाक में ऐतिहासिक बदलाव

भारतीय सेना का इतिहास पराक्रम, शौर्य और अप्रतिम बलिदान की गाथाओं से समृद्ध है। स्वतंत्रता के बाद से ही हमारी सेना ने देश की सीमाओं की रक्षा करने और राष्ट्रीय संप्रभुता को अक्षुण्ण बनाए रखने में अभूतपूर्व भूमिका निभाई है। हालांकि, स्वतंत्रता के कई दशकों बाद भी सेना की कुछ आंतरिक व्यवस्थाओं, नियमों, पोशाक और प्रतीकों में ब्रिटिश काल की स्पष्ट छाप दिखाई देती थी। वर्तमान समय में भारतीय सेना अपनी इस ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में एक युगांतरकारी और अत्यंत महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। सेना द्वारा अपनी वेशभूषा नीति, औपचारिक परंपराओं और सदियों पुराने रीति-रिवाजों में किए जा रहे बदलाव इस बात का जीवंत प्रमाण हैं कि अब देश अपनी औपनिवेशिक विरासत को पीछे छोड़ने के लिए मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार हो चुका है। इन महत्वपूर्ण और दूरगामी सुधारों का मुख्य उद्देश्य भारतीय सेना को विदेशी प्रभाव से मुक्त कराकर विशुद्ध रूप से भारतीय संस्कृति, सभ्यता और अपनी ऐतिहासिक जड़ों से गहराई से जोड़ना है। यह संपूर्ण प्रक्रिया भारत सरकार के उन 5 महासंकल्पों का एक अनिवार्य हिस्सा है, जिन्हें पंच प्रण के नाम से जाना जाता है। इन संकल्पों में से एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रण गुलामी की हर सोच और उसके प्रत्येक प्रतीक से पूर्ण मुक्ति पाना है, जिसे भारतीय सेना अब धरातल पर पूरी निष्ठा के साथ उतार रही है।

सैनिक परंपराओं में सबसे पहला और प्रत्यक्ष बदलाव सैन्य कवायद और आधिकारिक समारोहों के दौरान देखा जा सकता है। ब्रिटिश शासनकाल से ही यह व्यवस्था निरंतर चली आ रही थी कि जब भी कोई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी किसी सैनिक कदमताल या विदाई समारोह की सलामी लेता था, तो वह समीक्षा अधिकारी के रूप में अपने साथ एक विशेष औपचारिक तलवार रखता था। यह तलवार ब्रिटिश काल में औपनिवेशिक शासकों द्वारा अपनी शक्ति, सर्वोच्च कमान और भारतीय सैनिकों पर अपने प्रभुत्व का प्रदर्शन करने का एक मुख्य माध्यम मानी जाती थी। स्वतंत्र भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संप्रभु राष्ट्र में इस तरह के सामंती प्रतीकों की कोई आवश्यकता नहीं रह गई थी। इसी ऐतिहासिक तथ्य को ध्यान में रखते हुए अब समीक्षा अधिकारी द्वारा सैन्य मार्च के दौरान या किसी भी अन्य औपचारिक निरीक्षण में तलवार रखने की इस पुरानी प्रथा को पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है। इसके साथ ही, वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों द्वारा अपनी कमान और नेतृत्व के प्रतीक के रूप में ले जाई जाने वाली विशेष छड़ी के उपयोग की भी गहन समीक्षा की गई है और इसके इस्तेमाल को अब बेहद सीमित कर दिया गया है। यह निर्णय स्पष्ट करता है कि भारतीय सेना में नेतृत्व और सम्मान का आधार कोई बाहरी वस्तु या औपनिवेशिक दिखावा नहीं, बल्कि अधिकारी की अपनी योग्यता, कर्तव्यपरायणता और अपने देश के प्रति अटूट निष्ठा है।

इस वैचारिक परिवर्तन का सीधा और गहरा असर सैन्य अधिकारियों के पहनावे और पोशाक से जुड़े नियमों पर भी दिखाई दे रहा है। एक लंबे समय से यह देखा जा रहा था कि सैन्य अधिकारियों के भोजनालयों और अन्य महत्वपूर्ण औपचारिक आयोजनों में पश्चिमी देशों के कोट, औपचारिक वस्त्रों और गले के बंध का ही प्रचलन अनिवार्य बना हुआ था। भारतीय जलवायु और यहाँ की गौरवशाली संस्कृति के सर्वथा विपरीत इस तरह के विदेशी पहनावे को ढोना भी एक प्रकार की मानसिक परतंत्रता का ही हिस्सा माना जा सकता है। इस पुरानी व्यवस्था को बदलते हुए अब अधिकारियों की औपचारिक पोशाक में पहली बार 'बंदी' नाम के पारंपरिक भारतीय परिधान को आधिकारिक तौर पर स्थान दिया गया है। यह बिना आस्तीन का एक विशेष वस्त्र है, जिसे आम बोलचाल में पारंपरिक कुर्ता या भारतीय नेहरू वेशभूषा के रूप में भी जाना जाता है। अब सैन्य अधिकारी इसे अपनी कमीज और पतलून के साथ अत्यंत गर्व से धारण कर सकते हैं। यह कदम न केवल भारतीय वस्त्र उद्योग और स्थानीय शिल्पकला को नया सम्मान देता है, बल्कि सैन्य जीवनशैली में एक विशिष्ट भारतीय पहचान का समावेश भी करता है। इसके माध्यम से यह दृढ़ संदेश दिया गया है कि हमारे अपने पारंपरिक परिधान भी दुनिया के किसी भी उच्च स्तरीय आधिकारिक आयोजन के लिए पूरी तरह से गरिमापूर्ण और सर्वश्रेष्ठ हैं।

परंपराओं के इस शुद्धिकरण के अंतर्गत केवल पहनावा ही नहीं बदला गया है, बल्कि अधिकारियों की विदाई के तौर-तरीकों में भी बड़े सुधार किए गए हैं। पूर्ववर्ती नियमों के अनुसार, जब भी सेना के शीर्ष पदों पर आसीन अधिकारी, जैसे थल सेनाध्यक्ष या सैन्य कमान प्रमुख अपनी लंबी सेवा के बाद सेवानिवृत्त होते थे, तो उन्हें विदाई देने के लिए घोड़ों से खिंचने वाली एक पुरानी पारंपरिक बग्घी का उपयोग किया जाता था। यह घोड़ों वाली बग्घी प्रथा पूरी तरह से ब्रिटिश राजसी ठाट-बाठ और आम जनता तथा साधारण सैनिकों से दूरी बनाए रखने की औपनिवेशिक मानसिकता से प्रेरित थी, जो एक लोकतान्त्रिक देश की सेना में उचित नहीं जान पड़ती थी। अब सेना ने इस सामंती विदाई प्रथा को भी हमेशा के लिए बंद करने का ऐतिहासिक फैसला किया है। अब अधिकारियों की विदाई बेहद सादगीपूर्ण, अनुशासित और भारतीय मूल्यों के अनुरूप की जाती है। यह बदलाव सैन्य अधिकारियों और उनके अधीन काम करने वाले जवानों के बीच की दूरी को कम करने तथा सेना के भीतर एक समतावादी और आत्मीय वातावरण स्थापित करने में बहुत सहायक सिद्ध हो रहा है।

सैन्य संस्कृति का एक और बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण हिस्सा उसका संगीत होता है, जो सैनिकों के भीतर अदम्य साहस का संचार करता है। युद्ध के मैदान से लेकर शांति काल के समारोहों तक, सैन्य संगीत दल हमेशा से जवानों में जोश और देशप्रेम की भावना भरते रहे हैं। लेकिन स्वतंत्रता के इतने वर्षों बाद भी हमारे विभिन्न सैन्य संगीत दल पुरानी अंग्रेजी और स्कॉटिश धुनों को बजाने के लिए विवश थे। गणतंत्र दिवस उत्सव के समापन समारोह के अवसर पर आयोजित होने वाले भव्य कार्यक्रम में वर्षों तक एक विदेशी प्रार्थना धुन बजाई जाती थी, जिसका भारतीय जनमानस से कोई भी भावनात्मक जुड़ाव नहीं था। अब इस व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करते हुए उस पुरानी विदेशी धुन के स्थान पर 'ऐ मेरे वतन के लोगों' जैसी अमर, लोकप्रिय और हृदयस्पर्शी भारतीय देशभक्ति धुन को शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, सेना के सभी संगीत दल अब विदेशी धुनों की बजाय भारतीय शास्त्रीय संगीत, लोक संगीत और देश की माटी से जुड़ी देशभक्ति की धुनों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। जब सैन्य वाद्यों से भारतीय राग और लोक धुनें निकलती हैं, तो वे न केवल सैनिकों का मनोबल बढ़ाती हैं बल्कि पूरे देश को एक सांस्कृतिक सूत्र में पिरोने का काम करती हैं।

इस प्रकार, सैन्य व्यवस्था और उसकी जीवनशैली में किए गए ये सभी बदलाव केवल ऊपरी या सतही परिवर्तन नहीं हैं, बल्कि यह भारतीय समाज और राष्ट्र की सोच में आ रहे एक व्यापक गुणात्मक सुधार को रेखांकित करते हैं। वर्ष 1947 में भले ही हमें राजनीतिक स्वतंत्रता मिल गई थी, लेकिन प्रशासनिक और सैन्य स्तर पर अपनी जड़ों को पहचानकर पूर्ण मानसिक स्वतंत्रता प्राप्त करने की दिशा में यह एक अत्यंत ठोस कदम है। भारतीय सेना द्वारा उठाए गए ये कदम 21वीं सदी के आत्मनिर्भर, सशक्त और स्वाभिमानी भारत की नई तस्वीर प्रस्तुत करते हैं।

जब दुनिया की सबसे शक्तिशाली, अनुशासित और आधुनिक सेनाओं में शुमार हमारी सेना अपनी प्राचीन संस्कृति, परंपराओं और जड़ों की ओर लौटती है, तो इससे देश के प्रत्येक नागरिक में एक नया आत्मविश्वास और अपनी साझी विरासत के प्रति गहरा आदर भाव जागृत होता है। इन सुधारों के माध्यम से सेना ने यह साबित कर दिया है कि वह आधुनिकतम तकनीकों और घातक हथियारों से लैस होने के साथ-साथ वैचारिक रूप से पूरी तरह भारतीय मूल्यों, सिद्धांतों और राष्ट्रभक्ति के प्रति समर्पित है। यह युगांतरकारी बदलाव भविष्य की पीढ़ियों को भी अपनी अनूठी संस्कृति पर गर्व करने की निरंतर प्रेरणा देता रहेगा।

महेन्द्र तिवारी

पेट्रोल में एथेनॉलः सस्ते ईंधन का सपना या गाड़ियों के लिए खतरा? लोगों में बढ़ता डर

संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला

कानपुर। 2020 से सरकार ने श्व20 यानी 20% एथेनॉल वाला पेट्रोल पूरे देश में लागू करने का लक्ष्य रखा है। 2025 तक ज्यादातर शहरों में यही पेट्रोल मिल रहा है। मकसद साफ हैः तेल आयात कम करना, किसानों को फायदा पहुंचाना और प्रदूषण घटाना। लेकिन सड़कों पर एक अलग बहस चल रही है - 'क्या एथेनॉल मेरी गाड़ी का इंजन खराब कर देगा?' अभी तक ईरान - इजरायल युद्ध से पहले पेट्रोल में 10 प्रतिशत एथेनॉल मिला कर बेचा जा रहा था। एक्सपर्ट बताते हैं कि दस फीसदी मिलावट को भारत की सभी गाड़ियां सह लेंगी लेकिन जैसे ही ईरान - इजरायल युद्ध शुरू हुआ और देश में पेट्रोल की कमी हुई सरकार ने ई- 20 पेट्रोल सभी पेट्रोल पंप पर बेचना शुरू कर दिया। सरकार की इस नीति से लोगों में एक नई बहस छिड़ गई है। बहुत से एक्सपर्ट बताते हैं कि ई-20 पेट्रोल 2023 से पहले की गाड़ियों के लिए ठीक नहीं है एक तो इससे माइलेज पर असल पड़ रहा है और दूसरा यह इंजन के कई पार्ट्स को भी ख़राब कर देगा। केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोगों की इस बात को गलत बताया है और कहा है कि ऐसी कोई शिकायत नहीं मिली है। ई-20 के बाद, केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने ई-85 और इसके बाद 100 फीसदी एथेनॉल को भी मंजूरी दे दी। सरकार का मानना है कि इससे करोड़ों डालर का फायदा होगा जिसे हम अन्य विकास कार्यों में लगा सकते हैं।

एथेनॉल क्यों बढ़ाया जा रहा है? आर्थिक कारण - भारत हर साल 85% कच्चा तेल आयात करता है। 2024 में इस पर 180 बिलियन खर्च हुए। ई-20 से हर साल 4-5 बिलियन डॉलर की बचत का अनुमान है। किसान हित- एथेनॉल गन्ना, मक्का और अनाज से बनता है। इससे चीनी मिलों और किसानों को नया बाजार मिला है। पर्यावरण- एथेनॉल जलने पर ष्ह और ष्ह2 कम निकलता है। सरकार का दावा है कि ई20 से सालाना 50 लाख टन ष्ह2 कम होगी।

लोगों का डर कहां से आ रहा है? सोशल मीडिया और मैकेनिकों की दुकानों पर 4 बातें सबसे ज्यादा सुनाई देती हैंः माइलेज घट रहा है- एथेनॉल की कैलोरी वैल्यू पेट्रोल से 30% कम होती है। यानी ई-20 पर गाड़ी को उतनी ही पावर के लिए ज्यादा ईंधन जलाना पड़ता है। टेस्ट में 3-6% तक माइलेज ड्रॉप दिखा है। रोज 50 द्मद्व चलने वाले के लिए महीने का खर्च 200-400 रु बढ़ सकता है। रबर और प्लास्टिक पार्ट्स का खराब होना- पुरानी गाड़ियों में इस्तेमाल होने वाले रबर होज, सील और गैस्केट एथेनॉल से जल्दी घिसते हैं। 2010 से पहले की गाड़ियां ई-10 के लिए भी डिजाइन नहीं थीं। अगर टैंक में पानी चला गया तो एथेनॉल उसे एब्जॉर्ब कर लेता है और इंजन में जंग लग सकती है। स्टार्टिंग और परफॉर्मेंस इश्यू- ठंड में एथेनॉल ब्लेंड स्टार्ट होने में दिक्कत करता है। कुछ लोग कहते हैं कि गाड़ी 'खींचती' नहीं है, खासकर पहाड़ों और हाईवे पर।

पारदर्शिता की कमी- पंप पर अक्सर ये नहीं लिखा होता कि टैंक में श्व10 है या श्व20। लोग अनजाने में भरवा लेते हैं और बाद में दिक्कत होने पर एथेनॉल को दोष देते हैं। सरकार और ऑटो कंपनियां क्या कहती हैं? सड़क परिवहन मंत्रालय और आईओसी का कहना है कि 2023 के बाद बनी सभी गाड़ियां श्व20 कम्पैटिबल हैं। मारुति, हुंडई, टाटा, महिंद्रा ने अपनी नई गाड़ियों को श्व20 रेडी बताया है। पुरानी गाड़ियों के लिए सरकार ने 'श्व20 मैटेरियल कम्पैटिबल' किट का ऑप्शन दिया है, जिसमें रबर पार्ट्स बदलने पड़ते हैं। खर्च 3,000-8,000 रु तक आ सकता है। तकनीकी हकीकत क्या है? इंजन- अगर गाड़ी श्व20 कम्पैटिबल है तो इंजन पर कोई फर्क नहीं पड़ता। ईसीयू सॉफ्टवेयर एथेनॉल के हिसाब से फ्यूल मिक्स एडजस्ट कर देता है। फ्यूल सिस्टम- पुरानी गाड़ियों में नायलॉन और स्टेनलेस स्टील पार्ट्स होते हैं जो ठीक रहते हैं। लेकिन पुराने रबर वाले पार्ट्स 2-3 साल में बदलने पड़ सकते हैं। लॉन्ग टर्म इफेक्ट- अभी श्व20 देश में सिर्फ 2-3 साल हुआ है। 10 साल बाद इंजन पर क्या असर होगा, इसका बड़ा डेटा उपलब्ध नहीं है। दुनिया में क्या हो रहा है? ब्राजील 40 साल से श्व27 चला रहा है। वहां 90% गाड़ियां Flex Fuel हैं जो E0 से E100 तक चलती हैं। अमेरिका में श्व10 स्टैंडर्ड है। भारत ने सीधे श्व10 से E20 पर छलांग लगाई, इसलिए लोगों को झटका लगा। आम आदमी क्या करे? गाड़ी के फ्यूल लिड या मैनुअल पर लिखा होता है - E10, E20 या E20 कम्पेटिबल । पुरानी गाड़ी है तो- अगर गाड़ी 2015 से पुरानी है और रोज 80-100 द्मद्व चलती है, तो रबर पार्ट्स की जांच करवा लो। जरूरत लगे तो बदल दो। पंप पर पूछो भरवाने से पहले पूछ लो कि E10 है या E20।

पैनिक मत करो- 2-3% माइलेज ड्रॉप और थोड़ी मेंटेनेंस के अलावा ज्यादातर नई गाड़ियों में दिक्कत नहीं आ रही। एथेनॉल नीति देश के लिए जरूरी है - विदेशी मुद्रा बचती है, किसान को फायदा होता है, प्रदूषण घटता है। लेकिन सरकार ने कम्युनिकेशन में कमी रखी। लोगों को लगा कि उनकी 5 साल पुरानी गाड़ी एक दिन में 'आउटडेटेड' हो गई। अगर ऑटो कंपनियां फ्री सर्विस कैंप लगाकर पुरानी गाड़ियों की जांच करें और पंप पर क्लियर लेबलिंग हो, तो ये डर काफी हद तक कम हो सकता है। अभी समस्या तकनीक से ज्यादा भरोसे की है।

लिव-इन रिलेशनशिप, समाज में पनपता विकृत मानसिकता का दौर

आज समाज तीव्र गति से सामाजिक आर्थिक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। वैश्वीकरण, शहरीकरण, पाश्चात्य जीवनशैली, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और तकनीकी विकास ने व्यक्तिगत, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचनाओं को गहराई से प्रभावित किया है। इन्हीं परिवर्तनों के बीच लिव-इन रिलेशनशिप एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था के रूप में उभरी है, जिसे चाहें या न चाहें, समाज के एक वर्ग में स्वीकार्यता मिलती जा रही है। जो की सामाजिक संरचना के खतरनाक दौर को भविष्य में इंगित करती है। लिव-इन रिलेशनशिप का अर्थ है कि एक स्त्री और पुरुष बिना विवाह के साथ रहें और वैवाहिक जीवन जैसी परिस्थितियों में जीवन व्यतीत करें। यद्यपि इसके समर्थक इसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता और आपसी समझ का माध्यम मानते हैं, किंतु इसके विरोधियों का मानना है कि यह व्यवस्था भारतीय सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है तथा इससे अनेक असामाजिक और पारिवारिक समस्याएँ जन्म ले सकती हैं।

भारतीय समाज की आधारशिला परिवार संस्था रही है। यहाँ विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का सामाजिक और सांस्कृतिक बंधन माना जाता है। विवाह संबंधों में सामाजिक उत्तरदायित्व, नैतिक प्रतिबद्धता और पारिवारिक स्थायित्व निहित होता है। इसके विपरीत लिव-इन रिलेशनशिप में यह स्थायित्व और सामाजिक उत्तरदायित्व अपेक्षाकृत कम दिखाई देता है। यही कारण है कि अनेक बार ऐसे संबंध थोड़े समय बाद समाप्त हो जाते हैं। जब दो व्यक्तियों के बीच मतभेद बढ़ते हैं या जीवन की प्राथमिकताएँ बदलती हैं, तो वे बिना किसी सामाजिक बंधन के अलग हो जाते हैं। इसका प्रभाव केवल उन दोनों व्यक्तियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि परिवार और समाज पर भी पड़ता है।

लिव-इन रिलेशनशिप के समर्थक तर्क देते हैं कि इससे विवाह से पूर्व एक-दूसरे को समझने का अवसर मिलता है और असफल वैवाहिक जीवन की संभावना कम होती है। किंतु व्यवहारिक स्तर पर अनेक ऐसे उदाहरण सामने आए हैं, जहाँ यह व्यवस्था अस्थिर सिद्ध हुई है। कई बार भावनात्मक शोषण, आर्थिक विवाद, विश्वासघात, घरेलू हिंसा और मानसिक उत्पीड़न जैसी समस्याएँ भी उत्पन्न होती हैं। जब संबंधों में कानूनी और सामाजिक प्रतिबद्धता का अभाव होता है, तब उत्तरदायित्व से बच निकलना अपेक्षाकृत आसान हो जाता है। यही कारण है कि कई बार व्यक्तिगत स्तर पर उत्पन्न विवाद गंभीर अपराधों का रूप भी ले लेते हैं।

इन सबके बीच सबसे अधिक चिंता का विषय उन बच्चों का भविष्य है, जो ऐसे संबंधों से जन्म लेते हैं। बच्चे किसी भी समाज और राष्ट्र की अमूल्य धरोहर होते हैं। उनका स्वस्थ मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास परिवार की स्थिरता पर निर्भर करता है। जब माता-पिता के संबंधों में स्थायित्व नहीं होता और वे अलग हो जाते हैं, तो इसका सबसे गहरा प्रभाव बच्चों पर पड़ता है। बाल मन अत्यंत संवेदनशील होता है। माता-पिता के बीच तनाव, झगड़े और अलगाव की स्थिति बच्चों के मन में असुरक्षा, भय और अकेलेपन की भावना पैदा कर देती है।

मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि बचपन में प्राप्त पारिवारिक वातावरण व्यक्ति के संपूर्ण व्यक्तित्व को प्रभावित करता है। जिन बच्चों को माता-पिता का संयुक्त स्नेह और मार्गदर्शन नहीं मिल पाता, उनमें आत्मविश्वास की कमी, अवसाद, चिंता और व्यवहार संबंधी समस्याएँ विकसित होने की संभावना अधिक रहती है। वे स्वयं को अन्य बच्चों से अलग महसूस कर सकते हैं। कई बार सामाजिक प्रश्नों और पारिवारिक परिस्थितियों के कारण उनके मन में हीनभावना भी उत्पन्न हो जाती है। यह स्थिति उनके शैक्षणिक प्रदर्शन, सामाजिक संबंधों और भविष्य के निर्णयों को प्रभावित कर सकती है।

सामाजिक दृष्टि से भी यह विषय महत्वपूर्ण है। परिवार केवल व्यक्ति के पालन-पोषण का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कारों का प्रथम विद्यालय भी है। परिवार में ही बच्चे प्रेम, त्याग, अनुशासन, सहयोग और जिम्मेदारी जैसे मूल्यों को सीखते हैं। जब पारिवारिक संरचना कमजोर होती है, तो इन मूल्यों के विकास में बाधा आ सकती है। यह आवश्यक नहीं कि प्रत्येक लिव-इन रिलेशनशिप असफल ही हो, किंतु इसकी अस्थिरता की संभावना पारंपरिक विवाह की अपेक्षा अधिक मानी जाती है। इसलिए समाज के सामने यह चुनौती है कि वह बदलती परिस्थितियों में बच्चों के हितों और उनके भविष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दे।

यह भी सत्य है कि आधुनिक जीवन में व्यक्तिगत स्वतंत्रता का महत्व बढ़ा है। प्रत्येक वयस्क व्यक्ति को अपने जीवन से जुड़े निर्णय लेने का अधिकार है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी की व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अनावश्यक हनन उचित नहीं माना जा सकता। किंतु स्वतंत्रता के साथ उत्तरदायित्व भी जुड़ा होता है। यदि किसी संबंध से बच्चों का जन्म होता है, तो उनकी सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और भावनात्मक विकास की जिम्मेदारी माता-पिता पर समान रूप से आती है। किसी भी परिस्थिति में बच्चों को उपेक्षा या असुरक्षा का शिकार नहीं होने देना चाहिए। सरकार और न्यायपालिका ने भी समय-समय पर ऐसे संबंधों से जुड़े बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए विभिन्न प्रावधान किए हैं। बच्चों को वैधानिक अधिकार, संरक्षण और सम्मान मिलना चाहिए, क्योंकि उनके जन्म की परिस्थितियों के लिए उन्हें जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। समाज का भी यह दायित्व है कि वह ऐसे बच्चों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाए और उन्हें किसी प्रकार के भेदभाव का सामना न करना पड़े।

अंततः कहा जा सकता है कि लिव-इन रिलेशनशिप आधुनिक सामाजिक परिवर्तन का एक यथार्थ है, किंतु इसके साथ अनेक सामाजिक, नैतिक और पारिवारिक प्रश्न भी जुड़े हुए हैं। विशेष रूप से बच्चों का भविष्य इस व्यवस्था का सबसे संवेदनशील पक्ष है। संबंधों की अस्थिरता का सबसे बड़ा मूल्य अक्सर बच्चों को चुकाना पड़ता है।

इसलिए आवश्यक है कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। किसी भी संबंध का मूल्यांकन केवल वयस्कों की इच्छाओं के आधार पर नहीं, बल्कि उससे प्रभावित होने वाले बच्चों और समाज के व्यापक हितों को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। एक स्वस्थ, संवेदनशील और उत्तरदायी समाज वही होगा, जहाँ बच्चों के अधिकार, उनका मानसिक स्वास्थ्य और उनका सुरक्षित भविष्य सर्वोपरि माना जाए।

संजीव ठाकुर

कविता

नन्हे उजाले की सुबह।

विश्वास का दीपक जलने दो।
सूरज सा अबाध बढ़ने दो पथ में,
फूलों का सौरभ भरने दो नभ में।

मन की कोमल धरती पर फिर,
आशा के अंकुर उगने दो,
सूखे रिश्तों की डालों पर
स्नेहिल पत्ते सजने दो।

सूरज सा अबाध बढ़ने दो पथ में,
फूलों का सौरभ भरने दो नभ में।

थके हुए सपनों की आँखों में
थोड़ा उजियारा रहने दो,
भटके हुए पथिक के मन में
विश्वास का दीपक जलने दो।

कड़वाहट की धूल हटाकर
स्वच्छ हवाएँ बहने दो,
मनुष्यता की नर्म नदी को
हर आँगन तक बहने दो।

सूरज सा अबाध बढ़ने दो पथ में,
फूलों का सौरभ भरने दो नभ में।

नन्हे हाथों की रेखाओं में
रंगीन भविष्य सँवरने दो,
हर बेटी के सपनों को भी
पंख लगाकर उड़ने दो।
धरती के हर दुखते कोने में
करुणा का स्पर्श उतरने दो,
प्रेम, दया और सद्भावों से
जीवन को फिर निखरने दो।

सूरज सा अबाध बढ़ने दो पथ में,
फूलों का सौरभ भरने दो नभ में।

संजीव ठाकुर

दैनिक राशिफल

मेष कल का दिन आत्मविश्वास बढ़ाने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।
शुभ रंगः लाल 7 शुभ अंकः 9

वृषभ धन संबंधी मामलों में सावधानी रखें। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।
शुभ रंगः सफेद 7 शुभ अंकः 6

मिथुन व्यापार में लाभ के संकेत हैं। संचार कौशल के कारण आपके कार्य बनेंगे। विद्यार्थियों को पढ़ाई में सफलता मिलेगी।
शुभ रंगः हरा 7 शुभ अंकः 5

कर्क भावनाओं पर नियंत्रण रखें। परिवार में किसी शुभ कार्य की चर्चा हो सकती है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें।
शुभ रंगः चांदी 7 शुभ अंकः 2

सिंह मान-सम्मान में वृद्धि होगी। नौकरी में पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना है। निवेश के लिए समय अनुकूल है।
शुभ रंगः सुनहरा 7 शुभ अंकः 1

कन्या कार्यस्थल पर मेहनत का फल मिलेगा। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।
शुभ रंगः हरा 7 शुभ अंकः 5

तुला सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नए लोगों से संपर्क भविष्य में लाभदायक सिद्ध होंगे। खर्चों पर नियंत्रण रखें।
शुभ रंगः गुलाबी 7 शुभ अंकः 6

वृश्चिक महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर लें। करियर में प्रगति के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा।
शुभ रंगः लाल 7 शुभ अंकः 9

धनु भाग्य का साथ मिलेगा। धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। यात्रा के योग बन सकते हैं।
शुभ रंगः पीला 7 शुभ अंकः 3

मकर धन निवेश में सावधानी बरतें। कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है, लेकिन आपकी मेहनत रंग लाएगी।
शुभ रंगः नीला 7 शुभ अंकः 8

कुंभ साझेदारी के कार्यों में सफलता मिलेगी। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं।
शुभ रंगः आसमानी 7 शुभ अंकः 4

मीन स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी और व्यवसाय में सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। पुराने विवाद समाप्त हो सकते हैं।
शुभ रंगः पीला 7 शुभ अंकः 7

भारत अब सिर्फ विकसित नहीं हो रहा, विश्व को विकसित कर रहा है

[नया भारत- जो दुनिया के सवालों के जवाब गढ़ता है]

[2047 का सपना नीस से शुरूः भारत अब विश्व-निर्माता बन रहा है]

तकनीक की वैश्विक बिसात पर भारत अब मोहरा नहीं, चाल चलने वाला खिलाड़ी बनता दिख रहा है। फ्रांस के नीस में 14-16 जून 2026 को आयोजित 'भारत इनोवेट्स 2026' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कहना कि भारत अब 'समाधान का उपभोक्ता नहीं, समाधान प्रदाता' है, केवल एक वक्तव्य नहीं बल्कि बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन की घोषणा थी। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की उपस्थिति, 120 से अधिक डीप-टेक स्टार्टअप्स, 15 अग्रणी शिक्षण संस्थानों और सैकड़ों निवेशकों की भागीदारी ने इस दावे को मजबूती दी। यह वह क्षण था जब भारत ने दुनिया को जता दिया कि वह तकनीकी परिवर्तन का दर्शक नहीं, बल्कि उसकी दिशा तय करने वाली शक्ति बनने की ओर बढ़ चुका है। भारत की तकनीकी उड़ान किसी एक घटना नहीं, वर्षों की तैयारी का परिणाम है। 'मेक इन इंडिया', 'स्टार्टअप इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' ने इसकी मजबूत नींव रखी। जो देश कभी तकनीक खरीदता था, वह आज समाधान विकसित कर दुनिया को दे रहा है। इस कार्यक्रम में प्रदर्शित 120 डीप-टेक कंपनियों के पास सामूहिक रूप से 1,500 से अधिक पेटेंट हैं और उन्होंने 1.5 बिलियन डॉलर से ज्यादा पूंजी जुटाई है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर, जैव-प्रौद्योगिकी स्वच्छ ऊर्जा के अलावा स्वास्थ्य, जलवायु प्रौद्योगिकी, एयरोस्पेस, एग्रीटेक आदि 13 अग्रणी क्षेत्रों में भारतीय कंपनियाँ नई राह बना रही हैं। बढ़ते पेटेंट, निवेश और स्टार्टअप्स बताते हैं कि भारत अब केवल सेवा प्रदाता नहीं रहा। विशेष रूप से ग्लोबल साउथ के देशों के लिए भारत ऐसे तकनीकी मॉडल प्रस्तुत कर रहा है जो किफायती भी हैं और बड़े पैमाने पर लागू किए जा सकते हैं। यही बदलाव भारत को वैश्विक विकास की नई धुरी बना रहा है।

भारत-फ्रांस संबंधों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे अब कूटनीति से आगे बढ़कर नवाचार, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी की साझेदारी में बदल रहे हैं। 'इंडिया-फ्रांस ईयर ऑफ इनोवेशन 2026' और विस्तारित रणनीतिक साझेदारी भविष्य की उसी रूपरेखा को रेखांकित करते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्टार्टअप्स और वैज्ञानिक अनुसंधान में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों की निरंतर पहल ने दोनों देशों को स्वाभाविक सहयोगी बना दिया है। फ्रांस अब भारत को केवल एक बड़े बाजार के रूप में नहीं, बल्कि तकनीकी सह-निर्माता के रूप में देख रहा है। यही सोच इस रिश्ते को पारंपरिक द्विपक्षीय सहयोग से कहीं अधिक महत्वपूर्ण और दूरगामी बनाती है।

भारत का उभरता तकनीकी सामर्थ्य कई पुराने शक्ति-केंद्रों के लिए चुनौती बन रहा है। कारण यह है कि वह तकनीक पर स्थापित एकाधिकार की दीवारों में दरार डाल रहा है। दशकों तक नवाचार कुछ देशों और कंपनियों के इर्द-गिर्द सिमटा रहा, लेकिन भारत अब अपनी अलग तकनीकी राह बना रहा है। एआई और उन्नत प्रौद्योगिकियों पर बढ़ते नियंत्रण के बीच भारत-फ्रांस सहयोग बदलते वैश्विक समीकरणों का संकेत है। सेमीकंडक्टर, उन्नत सामग्री और महत्वपूर्ण खनिजों में बढ़ती साझेदारी बता रही है कि भविष्य की तकनीकी आपूर्ति पर अब कुछ हाथों का वर्चस्व नहीं रहेगा। भारत का 'सॉल्व्ड इन इंडिया' मॉडल धीरे-धीरे 'सॉल्यूशन फॉर द वर्ल्ड' की अवधारणा में बदल रहा है।

भारत-फ्रांस सहयोग का सबसे मजबूत चेहरा अब रक्षा और रणनीतिक तकनीक में दिखता है। राफेल कार्यक्रम ने तकनीक हस्तांतरण और संयुक्त उत्पादन को नई दिशा दी है। दोनों देश अब रक्षा खरीद से आगे बढ़कर साझा निर्माण और उन्नत अनुसंधान की राह पर हैं। स्कॉर्पीन पनडुब्बियों से लेकर समुद्री सुरक्षा तक और साइबर सुरक्षा से लेकर क्वांटम अनुसंधान तक, सहयोग के नए द्वार खुल रहे हैं। परमाणु ऊर्जा में छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों पर चर्चा ऊर्जा सुरक्षा की नई संभावनाएँ प्रस्तुत करती है। अंतरिक्ष, विज्ञान और स्वच्छ ऊर्जा में सहयोग यह स्पष्ट करता है कि यह रिश्ता अब भविष्य की तकनीकी सभ्यता गढ़ने की साझी परियोजना बन चुका है।

भारत की यह तकनीकी प्रगति 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को मजबूत आधार दे रही है। भारतीय स्टार्टअप अब केवल मुनाफा नहीं, बल्कि वास्तविक समाधान प्रस्तुत कर वैश्विक निवेश आकर्षित कर रहे हैं। जलवायु संकट के लिए क्लाइमेट टेक, स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई आधारित नवाचार और वित्तीय समावेशन में फिनटेक भारत की उभरती ताकत बन चुके हैं। ग्लोबल साउथ के कई देश भारत के विकास मॉडल को अपनाने की दिशा में देख रहे हैं। अमेरिका-चीन तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बीच भारत एक संतुलनकारी शक्ति के रूप में उभर रहा है। उसकी सबसे बड़ी ताकत उसका लोकतांत्रिक, विविध और खुले नवाचार पर आधारित 'तकनीकी मानववाद' है, जो तकनीक को केवल शक्ति नहीं बल्कि सेवा का माध्यम बनाता है।

तकनीकी प्रगति की इस तेज़ दौड़ में चुनौतियाँ भी उतनी ही वास्तविक हैं। तकनीक हस्तांतरण की गति बढ़ाना, बौद्धिक संपदा की सुरक्षा मजबूत करना, कुशल मानव संसाधन तैयार करना और आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुदृढ़ बनाना अभी भी प्रमुख आवश्यकताएँ हैं। वैश्विक प्रतिस्पर्धा में केवल महत्वाकांक्षा नहीं, बल्कि मजबूत संस्थागत ढांचा और निरंतर निवेश भी जरूरी है। भारत को अनुसंधान एवं विकास पर खर्च बढ़ाना, विश्वविद्यालय-उद्योग सहयोग को गहरा करना और उभरती तकनीकों में वैश्विक मानक स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ना होगा। फिर भी, सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि भारत इन चुनौतियों का सामना आत्मविश्वास और नेतृत्व की भावना के साथ कर रहा है।

आज वैश्विक परिदृश्य में जो सबसे बड़ा बदलाव दिख रहा है, वह भारत की बढ़ती भूमिका से उपजा है। एक विशाल लोकतंत्र जब नवाचार, रक्षा, ऊर्जा और डिजिटल तकनीक में नेतृत्व करने लगता है, तो वैश्विक शक्ति-संतुलन अपने आप पुनर्गठित हो जाता है। नीस में मोदी का संदेश इसी परिवर्तन का उद्घोष था। यह घोषणा थी कि आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य आत्मकेंद्रित होना नहीं, बल्कि विश्व को नए समाधान देना है। मोदी-मैक्रों साझेदारी उस नए युग की रूपरेखा बन रही है, जहाँ भारत भविष्य का सहभागी नहीं, उसका निर्माता है। यदि यह गति बनी रही, तो आने वाले वर्षों में दुनिया भारत को एक विशाल बाजार नहीं, बल्कि उन समाधानों के स्रोत के रूप में पहचानेगी जो मानवता की अगली सदी का मार्ग तय करेंगे।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

नीम करौली बाबा धाम स्थापना दिवस पर बाँटा प्रसाद

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के नई बाजार मोहल्ला स्थित तेजगांव परिसर में सोमवार को बाबा नीम करौली धाम (कैंची धाम) के स्थापना दिवस पर भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम की शुरुआत हवन पूजन से हुई। बाबा नीम करौली के भक्तों ने श्रद्धा के साथ पूजा अर्चना की। इसके बाद मालपुआ, चना, केला और आम का प्रसाद वितरित किया गया। पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय माहौल बना रहा। पूर्व विधायक सुरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि बाबा नीम करौली साक्षात हनुमान जी के अवतार माने जाते हैं। कैंची धाम की ख्याति देश विदेश तक फैली हुई है। बाबा की कृपा से भक्तों का कल्याण होता है। भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सुखेंद्र बहादुर सिंह, जेपी सिंह, संतोष तिवारी, सनी सिंह, संजय तिवारी, अनूप सिंह, भूपेंद्र फौजी, शुभम तिवारी, बबलू, भैयाजी, सार्थक सिसोदिया, अरविंद अग्निहोत्री, जय हिंद, दीपक तथा परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

सफर के दौरान महिला का जेवर से भरा पर्स गायब

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र की एक महिला के बैग से सोने चांदी के जेवरात से भरा पर्स गायब हो गया। महिला ने अज्ञात महिलाओं पर चोरी की आशंका जताते हुए पुलिस को तहरीर दी है। चांदा टीकर गांव निवासी रत्ना पत्नी शैलेंद्र कुमार ने बताया कि वह उन्नाव के टेढ़ा से बस द्वारा कस्बे के गांधी चौराहा पहुंची थीं। वहां से वह डलमऊ मार्ग पर जाने वाले एक ऑटो में अपने गांव के लिए बैठ गईं। ऑटो में उनके अलावा तीन अन्य महिलाएं भी सवार थीं। महिला के मुताबिक घर पहुंचने पर उन्होंने बैग देखा तो उसमें रखा छोटा पर्स गायब था। पर्स में मंगलसूत्र, एक जोड़ी झाली, सोने का लॉकेट और तोड़िया रखी हुई थी। रत्ना ने ऑटो में साथ बैठी तीन महिलाओं पर बैग से पर्स निकाल लेने की आशंका जताई है। महिला ने मामले की सूचना पुलिस को दी है। पुलिस जांच कर रही है।

लखनऊ के निगोहां में डिवाइडर तोड़कर दूसरी लेन में घुसी बस, हादसे में बाइक सवार की मौत

निगोहां/लखनऊ। रायबरेली से लखनऊ जा रही रोडवेज बस सोमवार सुबह निगोहां में अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए दूसरी लेन में घुस गई। सामने से आ रही बाइक और कार को टक्कर मारने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई और बस में सवार यात्रियों में चीखपुकार मच गई। सोमवार सुबह करीब नौ बजे रायबरेली डिपो की रोडवेज बस रायबरेली से लखनऊ की ओर जा रही थी। निगोहां के दखिना शेखपुर स्थित एक ढाबा के पास अचानक बस अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर तोड़ते हुए लखनऊ से रायबरेली जाने वाली लेन में पहुंच गई। इसी दौरान सामने से आ रही बाइक और कार बस की चपेट में आ गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों वाहन अनियंत्रित हो गए। बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि कार और बस को भी काफी नुकसान पहुंचा। हादसे में बाइक सवार पिंटू निवासी छोटीखेड़ा, थाना बछरावां, जनपद रायबरेली गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस उन्हें तत्काल अस्पताल लेकर गई, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं बस में सवार यात्रियों में दहशत फैल गई। बताया जा रहा है कि बस में सवार करीब 15 यात्रियों को मामूली चोटें आईं। हालांकि किसी को गंभीर चोट नहीं लगी। घबराए यात्री प्राथमिक उपचार कराने की बात कहकर पुलिस की मदद से अन्य बसों में सवार होकर अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गए। साथ ही, बस की टक्कर के बाद अनियंत्रित हुई स्विफ्ट डिजायर सड़क किनारे लगे हाईटेंशन लाइन के डबल पोल से जा टकराई। गनीमत रही कि बिजली लाइन से जुड़ी कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई, अन्यथा हादसा और भी गंभीर रूप ले सकता था। उधर, घटना की सूचना मिलते ही निगोहां पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने बस, बाइक और कार को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए बस चालक समेत अन्य लोगों से पूछताछ की जा रही है। निगोहां थाना प्रभारी अनुज तिवारी ने बताया कि सड़क दुर्घटना में एक युवक की मृत्यु हुई है, दुर्घटना के कारणों की भी जांच कर रही है।

लखनऊ में दो महिलाओं ने विधान भवन के सामने किया आत्मदाह का प्रयास, हरदोई में पुलिस पर अनदेखी का आरोप

● महिलाओं का कहना है कि उक्त मामले में न्याय न मिलने एवं स्वयं को असुरक्षित महसूस करने के कारण वे अपनी बात शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिए लखनऊ आई थीं। पुलिस ने दोनों महिलाओं की बात को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। हरदोई के संडीला थाना क्षेत्र के ककरहिया गांव की दो महिलाओं ने सोमवार को लखनऊ में विधान भवन के सामने आत्मदाह का प्रयास किया। इनका अपने चाचा के साथ विवाद चल रहा है और पुलिस ने इस प्रकरण में केस भी दर्ज किया है। लखनऊ में हजरतजंग थाना क्षेत्र में विधानभवन के पास दो महिलाओं ने आत्मदाह का प्रयास किया। पुलिस ने जानकारी दी कि विधान भवन के पास दो महिलाओं (मां एवं बेटी) ने अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आत्मदाह करने का प्रयास किया। ड्यूटी पर मौजूद पुलिस बल ने त्वरित सतर्कता, संवेदनशीलता एवं सूझबूझ का परिचय देकर दोनों महिलाओं को तत्काल सुरक्षित रूप से रोक लिया गया। जिससे अप्रिय घटना बच गई। इन दोनों महिलाओं को सुरक्षित रूप से थाना हजरतगंज लाया गया, जहां उनसे घटना के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। पूछताछ में पता चला कि दोनों महिलाएं हरदोई के थाना संडीला क्षेत्र की निवासी हैं। उनका एक प्रकरण थाना संडीला क्षेत्र से संबंधित है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार महिलाओं ने अपने गांव के मकान में चोरी, संपत्ति विवाद के प्रकरण में स्थानीय थाने पर कार्रवाई न होने संबंधी शिकायतों को लेकर अपनी व्यथा व्यक्त की गई है। महिलाओं का कहना है कि उक्त मामले में न्याय न मिलने एवं स्वयं को असुरक्षित महसूस करने के कारण वे अपनी बात शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिए लखनऊ आई थीं। पुलिस ने दोनों महिलाओं की बात को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। उनके आरोपों एवं शिकायतों के संबंध में विस्तृत जानकारी एकत्रित की जा रही है। संबंधित जनपद एवं स्थानीय पुलिस सम्पर्क किया जा रहा है। महिलाएं सुरक्षित हैं तथा स्थिति नियंत्रण में है।

जान से मारने की धमकी देने का मामला

पारिवारिक विवाद के कारण अभिषेक सिंह उर्फ अरविंद सिंह ने अपने चाचा सर्वदमन सिंह के साथ शराब के नशे में गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस जांच में घटना सही पाए जाने पर आरोपी के खिलाफ बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। वहीं आरोपित की मां मिथिलेश कुमारी के लगाए गए चोरी के आरोप जांच में गलत पाए गए। जांच में सामने आया कि घरेलू विवाद के कारण आरोपी की पत्नी घर से गेहूं बेचकर मायके चली गई थी। पुलिस के अनुसार आरोपित अभिषेक सिंह का आपराधिक इतिहास भी रहा है और उसके खिलाफ पहले से नौ मुकदमे दर्ज हैं। इसके साथ ही मिथिलेश कुमारी पर बार-बार झूठी शिकायतें करने का भी आरोप है।

सपा मुखिया अखिलेश यादव की योजना सफल नहीं होने वाली, कांग्रेस के सांसद बोले-बराबरी पर होगी बात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन के संकेत दे रहे समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की योजना पर कांग्रेस के नेता ही पानी फेर सकते हैं। आगरा में अखिलेश यादव से मीडिया ने पूछा था कि कांग्रेस तो 403 सीट पर अकेले लड़ने की बात कर रही है तो सपा मुखिया ने जवाब दिया था कि हम भी 403 सीट पर लड़ेंगे तो दोनों की ताकत से 806 सीट जैसी मजबूती मिल जाएगी। सहारनपुर से कांग्रेस के सांसद इमरान मसूद ने उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2027 में सपा-कांग्रेस गठबंधन को लेकर कहा कि कांग्रेस की 403 सीटों पर तैयारी है। हम तो समाजवादी पार्टी से भीख नहीं मांगते हैं कि वो हमें कितनी सीट देंगे, बराबरी पर बात होगी। कांग्रेस सांसद ने कहा कि समाजवादी पार्टी कौन है हमें सीट देने वाली, हम कोई भीख नहीं मांग रहे हैं। विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की तैयारी पूरी है। पश्चिम बंगाल में ममता के साथ जो हुआ उसकी सीख सबको लेनी चाहिए। चुनाव को लेकर कांग्रेस की तैयारियों के सवाल पर इमरान मसूद ने कहा कि हम सभी 403 सीटों पर तैयारी कर रहे हैं और 70 प्रतिशत बूथों पर हमारी तैयारी हो चुकी है। जब उनसे पूछा गया कि कांग्रेस यूपी में सपा के साथ कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी, इस पर कांग्रेस सांसद ने कहा कि यह काम तो पार्टी का है वो ही बताएंगे कि कितनी सीटों पर चुनाव लड़ा जाएगा। वहीं जब कांग्रेस सांसद से पूछा गया कि समाजवादी पार्टी जितनी सीटें देंगी उतनी पर ही लड़ेंगे। इस पर उन्होंने कहा कि देंगी क्या मतलब। देंगी से क्या मतलब क्या भीख मांग रहे, हम किसी से भीख नहीं मांग रहे। भाई गठबंधन होता है तो गठबंधन के अंदर आपस में बैठकर तय किया जाता है। लेना और देना नहीं होता, यह तो टेबल पर तय किया जाता है। ये देगा कि दे देगी छोड़ देगी ये क्या शब्द है, हम भिखारी हैं क्या। उन्होंने कहा कि गठबंधन होगा तो बड़े नेता बैठकर कर के तय करेंगे। अगर समझौता नहीं हो पाया तो हम तो लड़ाई की तैयारी कर ही रहे हैं, लेकिन देश के अंदर तस्वीर बिल्कुल साफ है। बंगाल से सबक ले लीजिए कि क्या हुआ है बंगाल में। अगर ममता जी ने पहले हाथ थामा होता तो यह हाल ना होता वहां।

अपनी कार्यशैली से अपने कार्यकाल को यादगार बना गए एसीपी कृष्णानगर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। कृष्णानगर लखनऊ में सहायक आयुक्त रजनीश वर्मा का तबादला होने से व्यापारी और क्षेत्रीय लोगों उदासी सी देखने को मिली। बहुत कम ऐसा होता है कि किसी पुलिस अधिकारी का तबादला आम नागरिक को उदास कर दे। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में वर्ष 2014 बैच के पीपीएस अधिकारी रजनीश वर्मा ने कृष्णानगर लखनऊ में सहायक आयुक्त के पद पर 25 अक्टूबर 2025 में कार्य भार संभाला था। इसके पूर्व मोहनलाल गंज में रहकर उन्होंने जनमानस में अपनी कर्तव्यनिष्ठ, मिलनसार व पीड़ितों के प्रति मददगार के रूप में एक यादगार छवि छोड़ी थी। एसीपी रजनीश वर्मा ने अपने कार्यक्षेत्र में 07 माह के कार्यकाल में जहाँ थानों में कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त बनाकर मजबूती प्रदान की वहीं किसी भी घटना में तत्काल मौके पर पहुँचकर कर्तव्यों का निर्वहन करके लोगों में विश्वास पैदा किया। उन्होंने थाना क्षेत्रों में चौपाल लगाकर पुलिस की छवि को निखारने का भरसक प्रयास भी किया जिसे एक बड़ी पहल के रूप में देखा जा रहा है। वे कार्यालय में फरियाद लेकर गये पीड़ितो की समस्याओं को सुनकर उसके त्वरित निवारण में अहम भूमिका निभाते रहे हैं। यहाँ तक फरियादी गरीब हो या अमीर उसके साथ एक जैसा व्यवहार करना उनकी जीवनशैली में रचा बसा था। क्षेत्र की छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी समस्या के निदान होने तक सुलझाने की कोशिश में लगे रहते थे।

खड़े ट्रक की खिड़की का शीशा हटाकर नगदी और मोबाइल उड़ाया

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के बाईपास रोड पर कोरिहरा गांव के निकट शनिवार की रात अज्ञात चोरों ने खड़े ट्रक की खिड़की कर शीशा हटाकर उसमें रखा मोबाइल और नगदी पार कर दी। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर दी है। कोरिहरा गांव निवासी शिवबोध सिंह पुत्र स्वदेश सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि शाम करीब 6 बजे गांव के ही निकट बाईपास पर उसने अपना ट्रक खड़ा कर दिया और घर खाना खाने चला आया। थोड़ी देर बाद वह आकर ट्रक में सो गया। रात करीब 4 बजे जब वह उठा तो देखा मोबाइल गायब है ट्रक की मरम्मत के लिए पैंट की जेब में रखे 40 हजार रूपये भी गायब थे। पीड़ित ने बताया कि चोर साइड खिड़की के रबड़ हटाकर केबिन में घुसे और रुपए और मोबाइल चोरी कर ले गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की पड़ताल की है।

बाइक सवार को टक्कर मार भाग रही कार को लोगों ने दौड़ाकर पकड़ा

● चालक को किया पुलिस के हवाले

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। उन्नाव हाईवे पर मुबारकपुर गांव के पास रविवार देर शाम एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक कार लेकर मौके से भाग निकला। स्थानीय लोगों ने उसका पीछा किया और कस्बे के अस्पताल मोड़ के पास पकड़ लिया। बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। हादसे में निहस्था गांव निवासी मोहम्मद आरिफ (55) पुत्र अब्दुल घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कानपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने मुबारकपुर गांव के पास बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गया। इसके बाद चालक कार लेकर भागने लगा। स्थानीय लोगों ने कार का पीछा किया। पीछा कर रहे लोगों का आरोप है कि भागने के दौरान कार चालक ने रास्ते में कई अन्य वाहनों को भी टक्कर मारी। अस्पताल मोड़ स्थित नई बाजार पहुंचने पर सब्जी बाजार में भीड़ होने के कारण कार की रफ्तार धीमी हो गई। इसी दौरान लोगों ने उसे घेर लिया। घटना के बाद बाजार में कुछ देर अफरा तफरी का माहौल रहा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और चालक को हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार कार चला रहे युवक की पहचान घोसियाना मोहल्ला निवासी संजय के रूप में हुई है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मामले की जांच की जा रही है।

काव्य संग्रह पैगामे मोहब्बत का भव्य विमोचन व कवि सम्मेलन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर/ तत्सत सेवा संस्थान सीतापुर के द्वारा आयोजित पुस्तक विमोचन कार्यक्रम व कवि सम्मेलन मुशायरा में सीतापुर के युवा शायर, कवि, पत्रकार व समाजसेवी यासीन इब्ने उमर के हिंदी काव्य संग्रह पैगामे मोहब्बत का भव्य विमोचन किया गया। साई गेस्ट हाउस तरीनपुर में आयोजित कार्यक्रम श्री कृष्णा ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस और आई इंडिया न्यूज़ चैनल के सहयोग से संपन्न हुआ। अभय श्रीवास्तव के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में आई इंडिया न्यूज़ चैनल के डायरेक्टर डॉ पंकज सिंह गौड़ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, तथा नगर पालिका अध्यक्ष हरगांव गफ्फार खान, मानस मेला समिति अध्यक्ष विशंभर दयाल तिवारी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष विश्राम सागर, राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक व शायर मस्त हफीज रहमानी, बार एसोसिएशन सीतापुर के पूर्व अध्यक्ष विजय अवस्थी, बार एसोसिएशन सीतापुर कोषाध्यक्ष शिवनाथ मिश्रा, जूही जयसवाल भाजपा महिला मोर्चा आदि विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि पंकज सिंह गौड़ ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि अनिल द्विवेदी ने बरसों पहले जिस पौधे को लगाया था वह आज यासीन इब्ने उमर और अभय श्रीवास्तव आदि के रूप में पल्लवित हो रहा है। जो समाज, शिक्षा, संस्कृति, भाषा और साहित्य की सेवा कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि यासीन इब्ने उमर के काव्य संग्रह पैगामे मोहब्बत के द्वारा एक अच्छा संदेश लोगों तक पहुंचेगा। इस अवसर पर अब्दुल गफ्फार खान, मस्त हफीज रहमानी, विशंभर दयाल तिवारी, विजय अवस्थी, विश्राम सागर आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का शुभारंभ विजय प्रकाश पांडे कंठ ने वाणी वंदना से किया और मुजीब सीतापुरी ने नाते पाक पेश की। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ शायर मुजीब सीतापुरी ने की और संचालन तुषार मिश्रा व अभय श्रीवास्तव के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में मस्त हफीज रहमानी, डॉक्टर तनवीर इकबाल बिस्वानी, मंजर यासीन, नदीम सीतापुरी, एपी गौतम, मुजीब सीतापुरी, कार्तिकेय शुक्ला, ज्ञान प्रकाश सिंह प्रतीक, तुषार मिश्रा, खुश्तर रहमानी, अमित कैथवर, अफजल युसूफ, सुमन मिश्रा, कमर खैराबादी, अख्तर मुजीबी, रामकिशोर श्रीवास्तव, अनामिका वैश्य आईना, विजय प्रकाश पांडे कंठ, रियाजुद्दीन रियाज, रौनक सीतापुरी, गीता किशोर श्रीवास्तव, रईस रहमानी, वसी खैराबादी, आलोक आदर्श, आयुष आयु आदि ने काव्य पाठ किया। इस अवसर पर प्रगति बाजपेई, सुरेंद्र सिंह, कान्हा बाजपेई, सरताज खान एडवोकेट, सिराज अहमद गौरी, चंदन वैश्य, मोहम्मद ओसामा अंसारी, मोहम्मद बिलाल अंसारी, मोहम्मद शाहनवाज, शहाब कमर, जाहिद अंसारी, मोहम्मद हसन, कारी मोहम्मद असद, एसके तूफानी, इरफान अहमद, दानिश कुरेशी, अनवर अली, मनीष मल्होत्रा, मोहित सिंह, अमन वर्मा, संतोष राव, मुत्तलिब, रेहान अंसारी, असद जुनैद, शहनवाज बेग, राकेश सक्सेना, हुसैन अंसारी आदि ने उपस्थित रहकर अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

विराट बेकरी एण्ड जनरल स्टोर एवं श्रेया ब्यूटी पार्लर बना ग्राहकों की पहली पसंद, उद्घाटन में उमड़ा जनसैलाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज, रायबरेली। बछरावां रोड स्थित विराट बेकरी एण्ड जनरल स्टोर एवं श्रेया ब्यूटी पार्लर का शुभारंभ हवन-पूजन एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भव्य रूप से संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह में क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने पहुंचकर प्रतिष्ठान के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उद्घाटन के बाद से ही यह प्रतिष्ठान क्षेत्रवासियों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है और तेजी से ग्राहकों की पहली पसंद बनता जा रहा है। विराट बेकरी एण्ड जनरल स्टोर में ग्राहकों को एक ही छत के नीचे केक, बिस्कुट, नमकीन, पेटीज, चॉकलेट, कोल्ड ड्रिंक, डेयरी उत्पादों सहित दैनिक उपयोग की विभिन्न वस्तुएं उचित मूल्य पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए यहां ठंडा मट्ठा, छाछ, दही एवं अन्य खाद्य सामग्री की भी विशेष व्यवस्था की गई है, जिससे ग्राहकों को ताजगी और गुणवत्ता दोनों का लाभ मिल रहा है। प्रतिष्ठान के संचालक लखन वैश्य ने बताया कि ग्राहकों को बेहतर सेवा, उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद एवं उचित मूल्य उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि ग्राहकों के विश्वास और संतुष्टि को बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। वहीं, महिलाओं के सौंदर्य एवं श्रृंगार की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए संचालित श्रेया ब्यूटी पार्लर भी क्षेत्र की महिलाओं के बीच लोकप्रिय हो रहा है। यहां आधुनिक सुविधाओं एवं प्रशिक्षित स्टाफ के माध्यम से विभिन्न प्रकार की ब्यूटी सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उद्घाटन समारोह में नीरज मिश्रा, अमन शुक्ला, हिमांशु यादव, अमन, सौरभ सिंह, चंद्रभान सिंह, सचिन पाठक, सुनील माली, राम लखन गुप्ता, दीपक वैश्य, प्रभात चौधरी, राम सजीवन नाई, अलीम, वीरेंद्र कुमार शुक्ला, तनु तिवारी, दीपांशु विश्वकर्मा, रवि वैश्य, नसीम भाई, अतुल, अजय गुप्ता, दिनेश लाइट, एमडी पासी, आलोक विश्वकर्मा, राजू सिंह, गब्बर सिंह, मनी, मेहता, तौसीफ कुरैशी, पिंटू होटल वाले, विवेक वैश्य सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने नए प्रतिष्ठान की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा बताया। उद्घाटन अवसर पर सैकड़ों लोगों की उपस्थिति ने आयोजन को भव्य एवं यादगार बना दिया।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार तीन श्रद्धालु घायल, जिला अस्पताल रेफर

महराजगंज/रायबरेली। महराजगंज थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर लगभग 11 बजे एक सड़क हादसे में बाइक सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हर्ष पुत्र हरिकेश (64 वर्ष), प्रकाश पुत्र दुजई (35 वर्ष) तथा लक्ष्मी पुत्र रामसुमेर (21 वर्ष), निवासी मानपुर सहावा थाना मिलएरिया, एक ही बाइक से अहोरवा भवानी मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे।

इसी दौरान मोन चौराहे के आगे एक पिकअप वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे तीनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा दुर्घटना में शामिल वाहन की तलाश की जा रही है।

नदी में नहाने गए बालक के साथ कुकर्म का आरोप

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में आठ वर्षीय बालक के साथ कुकर्म किए जाने का मामला सामने आया है। बालक की मां ने गांव के ही किशोर पर आरोप लगाते हुए पुलिस को शिकायत पत्र दिया था। महिला का कहना है कि दो दिन पहले उसका बेटा गांव के अन्य बच्चों के साथ नदी पर नहाने गया था। घर लौटने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। पूछताछ के दौरान बालक ने रो रो कर आप बीती बताई। इसके बाद परिजनों को घटना की जानकारी हुई। इसके बाद महिला ने पुलिस से शिकायत कर मामले में कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलने पर पुलिस ने शिकायत का संज्ञान लिया और मामले की जानकारी जुटाई। घटना को लेकर गांव में भी चर्चा रही। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि महिला की ओर से पहले एक शिकायती पत्र दिया गया था। बाद में दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई और उन्होंने आपसी सहमति से मामला सुलझा लेने की जानकारी दी।

किसानों की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के पदाधिकारियों ने सोमवार को किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर उपजिलाधिकारी (एसडीएम) बिसवां को ज्ञापन सौंपा। संगठन के तहसील अध्यक्ष शिवराज सिंह पटेल के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में किसानों से जुड़ी कई प्रमुख समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि तहसील क्षेत्र में किसानों को खाद उपलब्ध नहीं हो पा रही है, जिससे उन्हें इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। साथ ही भूमिहीन मजदूरों को दुकानदारों द्वारा यूरिया न दिए जाने की समस्या भी उठाई गई। इसके अलावा ग्राम पंचायत बोहरा मजरा डिगिहा में विद्युत संबंधी समस्याओं का उल्लेख करते हुए बताया गया कि कई बार शिकायत के बावजूद समाधान नहीं हुआ है तथा कर्मचारियों द्वारा अवैध धन उगाही किए जाने का भी आरोप लगाया गया। भारतीय किसान यूनियन ने पशु चिकित्सालयों की अव्यवस्था का मुद्दा भी उठाया। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि पशु चिकित्सक अस्पताल में नियमित रूप से उपस्थित नहीं रहते, जिससे बीमार पशुओं का समय पर इलाज नहीं हो पा रहा है और पशुपालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। संगठन ने प्रशासन से सभी शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो भारतीय किसान यूनियन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस मौके पर मेवा लाल वर्मा, वीरेंद्र कुमार वर्मा सुशील राज राम मिलन यादव ,जिला सचिव अहमद खां ग्राम सभा सेमरा कला, अफसर अंसारी,शिव कुमार वर्मा, हरिनाम वर्मा ,ललित पटेल , शंकर, इंद्र शेखर वर्मा सोनू वर्मा शिवम् वर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

सवारी का बैग उड़ाने वाला ई-रिक्शा चालक दबोचा गया, तमंचा व नकदी बरामद

● महमूदाबाद पुलिस की बड़ी कामयाबी, शातिर चोर जितेन्द्र मिश्रा गिरफ्तार, चोरी का ई-रिक्शा भी जब्त, लखनऊ से लेकर सीतापुर तक फैला है आपराधिक इतिहास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद- सीतापुर पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत महमूदाबाद पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने ई-रिक्शा में सवारी का बैग लेकर भागने वाले एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त के पास से चोरी की नकदी, घटना में प्रयुक्त ई-रिक्शा, एक अवैध देशी तमंचा और जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) दुर्गेश कुमार सिंह के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी महमूदाबाद वेदप्रकाश श्रीवास्तव के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक भानु प्रताप सिंह की पुलिस टीम ने इस चोरी की घटना का सफल अनावरण किया है। विगत 4 जून 2026 को मिरजापुर, थाना बिसवां निवासी पीड़ित गुलशन लखनऊ जाने के लिए एक ई-रिक्शा पर सवार हुआ था। महमूदाबाद बाईपास के पास चालक ने उसे किसी बहाने से नीचे उतारा और मौका पाकर गुलशन का बैग लेकर फरार हो गया। बैग में ?20,000 नगद और कपड़े थे। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मु0अ0सं0 213/2026 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस टीम ने सुराग रस्सी और कड़े प्रयासों के बाद 14 जून की शाम करीब 07:55 बजे नूरपुर से अगैय्या जाने वाली सड़क से अभियुक्त जितेन्द्र मिश्रा उर्फ छोटू मिश्रा उम्र 30 वर्ष, निवासी कलिमापुर, थाना रेउसा को गिरफ्तार कर लिया। चोरी किए गए रुपयों में से बचे ?4,950 नगद और एक अदद 12 बोर का अवैध देशी तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है, घटना में इस्तेमाल किया गया ऑटो ई-रिक्शा UP -32-JN-7333 को भी पकड़ा गया है। इस बरामदगी के बाद मामले में भारतीय न्याय संहिता बीएनएस की धारा 317(2) और 25(1बी) आर्म्स एक्ट की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त जितेन्द्र मिश्रा एक शातिर किस्म का नकबजन और चोर है। उसका लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ लखनऊ के गुडम्बा, मडियांव और सीतापुर के रेउसा व महमूदाबाद थानो में चोरी, माल बरामदगी, आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस (NDPS) एक्ट के तहत करीब 7 मामले दर्ज हैं। इस सफल कार्रवाई में उपनिरीक्षक विनोद कुमार गिरी, उपनिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार, हेड कांस्टेबल विशाल गुप्ता, कांस्टेबल चन्द्रप्रकाश वर्मा और कांस्टेबल प्रशान्त कुमार शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

मुख्तार मंत्री मावन-धीया सत्कार योजना के लिए जिले के पांच ब्लॉक में रजिस्ट्रेशन शुरू

होशियारपुर- पंजाब सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण और आर्थिक सुरक्षा के लिए शुरू की गई मुख्तार मंत्री मावन-धीया सत्कार योजना के तहत होशियारपुर जिले के माहिलपुर, भुंगा, टांडा, दसूहा, मुकेरियां और हाजीपुर ब्लॉक में आज से रजिस्ट्रेशन प्रोसेस शुरू हो गया है। इस बारे में जानकारी देते हुए डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम ऑफिसर गगनदीप सिंह ने बताया कि महिलाओं के रजिस्ट्रेशन के लिए अलग-अलग जगहों पर कैंप लगाए गए हैं। स्कीम का फायदा पाने के लिए महिलाओं को अपने जरूरी डॉक्यूमेंट्स जैसे आधार कार्ड, जाति सर्टिफिकेट, बैंक अकाउंट की जानकारी और दूसरे जरूरी डॉक्यूमेंट्स लाने के लिए कहा गया था। उन्होंने बताया कि स्कीम के तहत 18 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं और लड़कियों को सीधी फाइनेंशियल मदद दी जा रही है, जिसके तहत शेड्यूल्ड कास्ट (SC) कैटेगरी की महिलाओं को हर महीने 1500 रुपये और जनरल कैटेगरी की महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये की फाइनेंशियल मदद सीधे उनके बैंक अकाउंट में जमा की जाएगी। उन सभी महिलाओं से अपील की गई है कि वे तय कैंप में पहुंचकर अपना रजिस्ट्रेशन करवाएं और पंजाब सरकार की इस जनकल्याण योजना का ज़्यादा से ज़्यादा फ़ायदा उठाएं। उन्होंने यह भी कहा कि रजिस्ट्रेशन प्रोसेस को आसानी से पूरा करने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगा दी गई है।

तुगलकाबाद अग्निकांड के आरोपित निरंजन ने फैला रखा था नशा तस्करी का 'जाल', दर्ज हैं हत्या समेत 4 मुकदमे

दिल्ली। तुगलकाबाद एक्सटेंशन के गली नंबर-एक में आग लगवाने के मामले में पुलिस ने रविवार को जिस निरंजन नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। वह गोविंदपुरी और तुगलकाबाद एक्सटेंशन समेत अन्य इलाकों में नशा तस्करी का मास्टरमाइंड है। पूरे इलाके में नींद की गोली के साथ 100 रुपये में मिलने वाले एविल इंजेक्शन को 200 रुपये में बिकवाता है। उसके ज्यादातर खरीदार ई-रिक्शा चालक और नाबालिग हैं।

एविल इंजेक्शन का कार्टन सौंपा

एविल इंजेक्शन एक एंटी-एलर्जिक दवा है, जिसकी सामान्य बिक्री प्रतिबंधित है। जिस इमारत में आग लगी थी, उसी में पांचवें तल पर रहने वाले दीपक को निरंजन की प्रेमिका सरिता ने कुछ दिन पहले एविल इंजेक्शन से भरा कार्टन दिया था, जिसमें 400 वायल थे। इसकी कीमत तो 40,000 हजार थी, पर यह 80,000 में बिकनी थी।

दीपक नहीं करना चाहता था यह काम

पुलिस सूत्रों के मुताबिक ओला बाइक चालक दीपक यह काम नहीं करना चाहता था, जिसे लेकर उसकी सरिता से कई बार बहस भी हुई। इसी खुन्नस में बदला लेने के लिए उसकी बाइक में आग लगाने की साजिश रची गई थी।

निरंजन पर चार आपराधिक मामले दर्ज

नवजीवन कैंप में रहने वाले निरंजन पर कुल चार आपराधिक मामले दर्ज हैं। गोविंदपुरी थाने में सबसे पहले 2020 में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20, 61 व 85 में एफआइआर हुई। वहीं 2021 में आईपीसी की धारा 302 (हत्या), 201 (साक्ष्य मिटाना) व 34 (सामान्य आशय) के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में वह जेल भी गया। पिछले महीने ही वह बेल पर बाहर आया था। उस पर लूट, आगजनी व आर्म्स एक्ट मामले में 2023 में कालकाजी व 2024 में गोविंदपुरी थाने में भी एफआइआर दर्ज है। वहीं उसके छोटे भाई राजकुमार पर भी नशा तस्करी समेत अन्य मामलों में केस दर्ज हैं।

इंटरनेट पर काल करके नाबालिग को बुलाया

पुलिस सूत्रों के मुताबिक सरिता व नाबालिग किशोरी हाल ही में हरिद्वार गए थे। सारा खर्च सरिता ने ही उठाया था। तब नाबालिग ने बाद में पैसे देने की बात कही थी। इस पैसे को माफ कर देने की बात कहते हुए उसे स्कूटी में आग लगाने के लिए तैयार किया गया था। घटना वाली रात सरिता ने उसे इंटरनेट काल करके गिरि नगर बुलाया था।

पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंपे गए शव

घटना में मृत पंकज, सुशीला देवी व सोनी कुमारी का रविवार को पोस्टमार्टम कराकर पुलिस ने शव स्वजन को सौंप दिए। घटना में मामूली रूप से घायल सीमा व करीना को एम्स ट्रामा सेंटर से छुट्टी दे गई। वहीं, सफदरजंग में भर्ती गुड्डी देवी व मोनी कुमारी की हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि मुमताज खतरे से बाहर बताई जा रही हैं।

'कुमकुम भाग्य' एक्ट्रेस संचिता उगले ने किया सुसाइड

● प्रशासन से त्वरित व स्थायी सहायता की मांग तेज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टीवी सीरियल कुमकुम भाग्य से मशहूर हुई एक्ट्रेस संचिता उगले ने रविवार रात को सुसाइड कर लिया। वे 22 साल की थीं। पुलिस ने बताया कि एक्ट्रेस का शव घर में सीलिंग फैन से लटका मिला। उन्होंने साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगाई। मुंबई पुलिस मीडिया को बताया, 'हमारी टीम सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची। वहां कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला। घटना के समय वे घर में अकेली थीं। उनके पिता ने बेटी की मौत के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया।' संचिता अपने माता-पिता के साथ महाराष्ट्र के पालघर में रहती थीं। रविवार शाम करीब 5:30 बजे उनकी बहन अंजली घर से बाहर गई थी। इसी दौरान संचिता ने अपने बेडरूम के सीलिंग फैन से साड़ी के सहारे फांसी लगा ली। परिवार संचिता को महानगरपालिका के तुलिंज अस्पताल लेकर गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वे टीवी सीरियल 'कुमकुम भाग्य' के

अलावा 'वागले की दुनिया' में भी नजर आई थीं। मौत से कुछ घंटों पहले वीडियो पोस्ट किया संचिता के निधन से ठीक कुछ घंटों पहले ही उनके आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से एक रील पोस्ट की गई थी। वीडियो में एक्ट्रेस 'डफली वाले, डफली बजा' गाने पर लिपसिंक करती दिखी थीं। इस वीडियो के कैप्शन में एक्ट्रेस ने लिखा था, 'मैं नाचूं, तू नचा।' कमेंट सेक्शन में एक्ट्रेस के फैंस उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर बेहद एक्टिव थीं और लगातार पोस्ट करती रहती थीं। उनके इंस्टाग्राम पर 1 लाख 39 हजार फॉलोअर्स हैं।

चचेरा भाई बोला- सुशांत की तरह इंडस्ट्री ने दबाया

संचिता के चचेरा भाई आकाश उगले ने मीडिया से बातचीत में दावा किया है कि संचिता को फिल्म इंडस्ट्री द्वारा दबाया जा रहा था। उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत से जुड़ा सोशल मीडिया का एक वीडियो दिखाते हुए दावा किया है कि ये संचिता की फर्जी आईडी से पोस्ट किया गया है, जिसमें लिखा था, 'आज फिर 14 जून है'।

भाई ने मीडिया से बातचीत में कहा, मेरी बहन बहुत डर गई थी। इंडस्ट्री दबा देती है, धमकी देती है। जैसा सुशांत के साथ किया, उसे अंदर से खोखला कर दिया। इसमें बड़े-बड़े लोगों का हाथ होता है। यहां पावर गेम होता है। हमारे जैसे मिडिल क्लास के लोग आगे जाते हैं, तो उसे दबा दिया जाता है। चचेरे भाई द्वारा बताए गया इंस्टाग्राम अकाउंट संचिता उगले के फैन पेज की तरह दिखता है। हालांकि भाई ने दावा किया है कि ये अकाउंट संचिता खुद चलाती थीं। ये अकाउंट 2 जून को बनाया गया है। पेज के सभी वीडियो संचिता के थे, हालांकि 14 जून को पोस्ट किया गया आखिरी वीडियो सुशांत सिंह राजपूत का था। कथित तौर पर इस वीडियो के पोस्ट किए जाने के बाद संचिता ने आत्महत्या की है।

को-स्टार ने रिलेशन कि अफवाह को नकारा

संचिता की मौत के बाद सोशल मीडिया पर उनके 'साजन घर' के को-स्टार उज्ज्वल शर्मा के साथ नाम जुड़ने की अफवाहें चल रही हैं, लेकिन उज्ज्वल ने इन खबरों को गलत बताया है। टेलीचक्कर से बातचीत में उज्ज्वल ने साफ किया कि वे दोनों कभी रिलेशनशिप में नहीं थे। उज्ज्वल ने बताया कि संचिता किसी और को डेट कर रही थीं और उसके साथ लिव-इन में रह रही थीं। वे पिछले दो से ढाई महीने से अपने होमटाउन में हैं और संचिता से उनका कोई संपर्क नहीं था।

उज्ज्वल के मुताबिक, संचिता अपने एक्स-बॉयफ्रेंड से ब्रेकअप के बाद काफी मुश्किल समय का सामना कर रही थीं और मानसिक तनाव के लिए डॉक्टरी मदद भी ले रही थीं। संचिता की सेहत को ठीक रखने के लिए प्रोडक्शन हाउस ने भी सपोर्ट किया था और इलाज में मदद की थी।

असम के प्रांतीयकृत कॉलेजों में शिक्षकों- ग्रंथपालों की म्यूचुअल ट्रांसफर की मांग तेज

● गृह जिलों से दूर तैनाती से बढ़ीं समस्याएं, शिक्षा मंत्री से शीघ्र निर्णय की अपील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

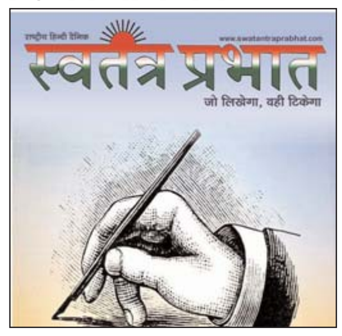

असम के विभिन्न प्रांतीयकृत महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों और ग्रंथपालों ने राज्य सरकार से पारस्परिक स्थानांतरण (म्यूचुअल ट्रांसफर) व्यवस्था लागू करने की मांग तेज कर दी है। उनका कहना है कि बड़ी संख्या में शिक्षक एवं ग्रंथपाल अपने गृह जिलों से दूर स्थित संस्थानों में सेवाएं दे रहे हैं, जिसके कारण उन्हें पारिवारिक, सामाजिक तथा व्यक्तिगत स्तर पर अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षक एवं ग्रंथपाल समुदाय का मानना है कि इच्छुक कर्मचारियों के बीच म्यूचुअल ट्रांसफर की व्यवस्था लागू होने से इस समस्या का प्रभावी समाधान संभव है। उनका तर्क है कि इस व्यवस्था से सरकार पर किसी प्रकार का अतिरिक्त वित्तीय भार नहीं पड़ेगा और न ही नए पदों के सृजन की आवश्यकता होगी। मांगकर्ताओं के अनुसार, पारस्परिक स्थानांतरण की सुविधा मिलने से कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा, कार्यकुशलता में सुधार होगा तथा वे अपने शैक्षणिक एवं पुस्तकालय संबंधी दायित्वों का अधिक प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के कई अन्य सरकारी विभागों में इस प्रकार की व्यवस्था पहले से लागू है और इसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। शिक्षकों और ग्रंथपालों ने राज्य के शिक्षा मंत्री से इस विषय पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने का अनुरोध करते हुए कहा है कि यह एक व्यावहारिक, न्यायसंगत और कर्मचारी हितैषी पहल होगी, जिससे न केवल कर्मचारियों को लाभ मिलेगा बल्कि उच्च शिक्षा संस्थानों की कार्यप्रणाली और शैक्षणिक वातावरण भी सुदृढ़ होगा।

खन्ना में आंगनवाड़ी वर्कर्स और सखियों को 'मावां-ध्यान सत्कार योजना' के लिए दो दिन की ट्रेनिंग दी गई

● स्धरूस्वाति तिवाना ने योग्य महिलाओं के समय पर रजिस्ट्रेशन पर ज़ोर दिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- पंजाब सरकार की चलाई जा रही 'मावां-ध्यान सत्कार योजना' के तहत, सब-डिवीजन खन्ना की आंगनवाड़ी वर्कर्स और सखियों के लिए शनिवार और रविवार को किशोरी लाल जेठी (गर्ल्स) स्कूल ऑफ़ एमिनेंस, खन्ना में स्कीम के योग्य लाभार्थियों को रजिस्टर करने के लिए दो दिन की ट्रेनिंग वर्कशॉप आयोजित की गई। ट्रेनिंग वर्कशॉप की अध्यक्षता सब-डिवीजनल मजिस्ट्रेट खन्ना श्रीमती स्वाति तिवाना ने की। उन्होंने कहा कि 'माँ-बेटी सत्कार योजना' का फ़ायदा हर योग्य माँ-बेटी तक पहुँचाने के लिए सही और समय पर रजिस्ट्रेशन बहुत ज़रूरी है। इस काम में आंगनवाड़ी वर्कर और सखियों की भूमिका सबसे अहम है। सब डिवीज़नल मजिस्ट्रेट खन्ना स्वाति टिवाना ने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण को मज़बूत करने के लिए चलाई जा रही 'मुख्यमंत्री माँ-बेटी सत्कार योजना' के तहत रजिस्ट्रेशन प्रोसेस शुरू किया जाना है। इस स्कीम का मुख्य मकसद राज्य की महिलाओं को आर्थिक रूप से मज़बूत करना है। इस कैंपेन के तहत अलग-अलग गाँवों और शहरों में कैंप लगाकर योग्य महिलाओं का रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। इस बारे में और जानकारी देते हुए स्धरू स्वाति टिवाना ने कहा कि स्कीम के लिए रजिस्ट्रेशन प्रोसेस को आसान बनाया गया है ताकि ज़्यादा से ज़्यादा महिलाएँ इसका फ़ायदा उठा सकें। रजिस्ट्रेशन ट्रेनिंग वर्कशॉप में महिलाओं को स्कीम का फ़ायदा पहुँचाने के लिए उनसे ज़रूरी डॉक्यूमेंट लेने के बारे में भी जानकारी दी गई है। सरकार का मकसद यह पक्का करना है कि हर योग्य महिला को इस स्कीम का फ़ायदा मिले और कोई भी छूट न जाए। उन्होंने कहा कि इस स्कीम से जुड़ी महिलाओं में बहुत उत्साह है। सरकार की इस पहल की तारीफ़ करते हुए उन्होंने कहा कि इससे न सिर्फ़ उनकी आर्थिक हालत सुधरेगी, बल्कि उन्हें अपने परिवार और समाज में ज़्यादा आत्मविश्वास के साथ जीने का मौका भी मिलेगा। सरकार ने आने वाले समय में ऐसी जनहितैषी स्कीमें जारी रखने का भरोसा दिया है, जिससे महिलाओं की भागीदारी और सशक्तिकरण को और मज़बूती मिलेगी।

हौजरानी अग्निकांडः केसर सिंह नेगी मामले में निष्पक्ष जांच की मांग, उत्तराखंड संगठनों ने दिया धरना

दिल्ली। हौजरानी अग्निकांड मामले में गिरफ्तार उत्तराखंड निवासी केसर सिंह नेगी मामले में निष्पक्ष जांच व विधि-सम्मत कार्रवाई सुनिश्चित किए जाने की मांग को लेकर उत्तराखंड के विभिन्न सामाजिक संगठनों ने जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया। उत्तराखंड लोक मंच के अध्यक्ष बृजमोहन उप्रेती के नेतृत्व में शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन में वक्ताओं ने कहा कि यह मामला अत्यंत संवेदनशील एवं गंभीर प्रकृति का है। ऐसे में यह आवश्यक है कि जांच प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर संपादित की जाए। किसी भी व्यक्ति को दोषी अथवा निर्दोष ठहराने का अधिकार केवल न्यायालय को है, इसलिए जांच एजेंसियों द्वारा प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पूर्ण पालन किया जाना चाहिए। धरना-प्रदर्शन के माध्यम से गृह मंत्री अमित शाह को भी ज्ञापन प्रेषित किया गया। इस मामले में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने भी निष्पक्ष जांच की मांग की थी।

कर्नाटकः मैसूर के रेस्तरां-बार में लगी भीषण आग, 2 लोगों की मौत; सात झुलसे

● मैसूर के दत्तागल्ली स्थित 'फॉक्स डेन लिकर गैराज बार एंड रेस्टोरेंट' में भीषण आग लगने से दो कर्मचारियों की मौत हो गई और सात लोग बुरी तरह से झुलस गए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मैसूर। कर्नाटक के मैसूर में सोमवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां एक रेस्तरां-बार में भीषण आग लगने से दो लोगों की मौत हो गई, वहीं 7 लोग बुरी तरह से झुलस गए हैं। घटना ऋक्ष नगर इलाके में दत्तागल्ली के पास स्थित बार 'फॉक्स डेन लिकर गैराज बार एंड रेस्टोरेंट' में हुई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है।

आग तेजी से पूरे रेस्तरां में फैल गई, जिसने कुछ ही मिनटों में रेस्तरां के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। तेजी से फैलाती आग का चलते अंदर मौजूद लोगों और कर्मचारियों के बीच अफरा-तफरी मच गई।

मरने वालों की हुई पहचान

मरने वालों की पहचान दार्जिलिंग के रहने वाले साहिन (26) और नेपाल के रहने वाले प्रकाश (24) के तौर पर हुई है। दोनों इसी रेस्तरां में काम करते थे। रिपोर्ट्स के अनुसार आग के तेज होने पर वे इमारत के अंदर ही फंस गए थे। मौके पर ही जलने से उनकी मौत हो गई।

25 लोग रेस्तरां में थे मौजूद

इस घटना में सात अन्य लोग घायल हो गए, फिलहाल उन्हें इलाज के लिए करीबी अस्पताल ले जाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि कुछ लोग बुरी तारह झुलस गये हैं, जबकि कुछ लोग धुएं से भरी इमारत से बाहर निकलने की कोशिश में घायल हो गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब आग लगी तो रेस्तरां के अंदर 25 से ज्यादा लोग मौजूद थे। जैसे ही इमारत में धुआं फैला, तो कई लोग अंदर ही फंस गए। फायर और इमरजेंसी सर्विस के कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया।

बाहर निकलने का नहीं मिला रास्ता

फायर ब्रिगेड ने जलती हुई इमारत से सात लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। चश्मदीदों ने बताया कि घने धुएं के चलते कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था और बाहर निकलने के रास्ते बंद हो गए थे, जिससे अंदर मौजूद लोगों में घबराहट फैल गई। खुद को बचाने की हताशा में, कुछ लोगों ने इमारत की ऊपरी मंजिल से छलांग लगा दी, जिससे उन्हें और चोटें आई।

मैत्री फुटबॉल मैच के जरिए युवाओं को नशामुक्ति, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता का संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

यूथक्रिया ग्लोबल ऑर्गेनाइजेशन ने अपनी 'यूथक्रिया फिट वर्ल्ड रिवोल्यूशन' पहल के तहत दार्जिलिंग जिले के रूपंदिगी क्षेत्र में एक मैत्री फुटबॉल मैच एवं जागरूकता अभियान का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नशे से दूर रहने तथा पर्यावरण और स्वच्छता के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में संगठन के संस्थापक एवं गवर्निंग बॉडी अध्यक्ष राघब चंद्र नाथ ने युवाओं को संबोधित करते हुए 'यूथक्रिया ड्रग फ्री रिवोल्यूशन', 'यूथक्रिया ग्रीन रिवोल्यूशन' और 'यूथक्रिया ट्रैश क्लीन रिवोल्यूशन' अभियानों की जानकारी दी। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने, पर्यावरण

संरक्षण के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। संगठन की गवर्निंग बॉडी सचिव मानसी शर्मा ने बताया कि खेल युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा, 'फिट युवा ही एक स्वस्थ और बेहतर विश्व के निर्माण की आधारशिला हैं। खेल के मैदान से ही फिट युवा की शुरुआत होती है।' मैत्री फुटबॉल मैच में स्थानीय युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान प्रतिभागियों ने यूथक्रिया के विभिन्न सामाजिक अभियानों से जुड़कर अपने गांवों और मोहल्लों में जागरूकता फैलाने का संकल्प भी लिया। आयोजकों के अनुसार, इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने और सामाजिक परिवर्तन के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया जा रहा है।

दिल्ली के अस्पताल में बिजली के जंक्शन बॉक्स में लगी आग, दमकल की 5 गाड़ियों ने पाया काबू

दिल्ली। जनकपुरी क्षेत्र के विजय एन्क्लेव स्थित एक अस्पताल में रविवार देर रात बिजली के जंक्शन बॉक्स में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दिल्ली अग्निशमन सेवा की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दमकल विभाग के अनुसार, रात करीब 10:25 बजे विजय एन्क्लेव स्थित अस्पताल में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही तीन वाटर टेंडर, एक वाटर बाउजर और एक ब्रेथिंग सपोर्ट वाहन को मौके पर भेजा गया। अग्निशमन अधिकारी रामजी लाल, स्टेशन अधिकारी राजेंद्र और एडीओ रविनाथ के नेतृत्व में राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। जांच में पता चला कि अस्पताल के भूतल पर स्थित इलेक्ट्रिक जंक्शन बॉक्स में आग लगी थी। दमकल कर्मियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आग को फैलने से पहले ही नियंत्रित कर लिया। रात 10:40 बजे आग पर पूरी तरह काबू पाने का संदेश जारी कर दिया गया। प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। समय रहते आग बुझा दिए जाने से अस्पताल में भर्ती मरीजों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित रही तथा कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। पुलिस और संबंधित विभाग मामले की जांच कर रहे हैं।

शिलचर-आसाम विश्वविद्यालय सड़क के पुनर्निर्माण को मंजूरी

● विधायक ने जल्द अस्थायी मरम्मत का दिया आश्वासन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि- लंबे समय से जर्जर हालत में पड़ी असम के शिलचर-आसाम विश्वविद्यालय सड़क की मरम्मत की मांग को लेकर आसाम विश्वविद्यालय गैर-शिक्षण कर्मचारी संघ (एंटिया) के एक प्रतिनिधिमंडल ने 15 जून (सोमवार) को स्थानीय लोकप्रिय विधायक से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने विधायक को सड़क की बदहाल स्थिति से अवगत कराते हुए बताया कि प्रतिदिन इस मार्ग से गुजरने वाले छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों और स्थानीय लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से बारिकनगर क्षेत्र में सड़क की स्थिति अत्यंत खराब होने के कारण दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना हुआ है। मामले को गंभीरता से लेते हुए विधायक किशोर नाथ ने बताया कि शिलचर-आसाम विश्वविद्यालय सड़क के व्यापक पुनर्निर्माण के लिए लगभग 80 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक और तकनीकी प्रक्रियाओं के पूरा होने के बाद निर्माण कार्य शुरू होने में तीन से चार महीने का समय लग सकता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस दौरान आम लोगों को राहत पहुंचाने के लिए सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्सों में तत्काल पैचवर्क और अस्थायी मरम्मत का कार्य शुरू कराने की पहल की जाएगी। साथ ही संबंधित विभागों से समन्वय कर आवश्यक कदम शीघ्र उठाने का भरोसा भी दिया। एंटिया ने बैठक को सकारात्मक और सार्थक बताते हुए उम्मीद जताई कि विधायक के आश्वासन के अनुरूप जल्द ही आपातकालीन मरम्मत कार्य शुरू होगा तथा प्रस्तावित पुनर्निर्माण परियोजना के पूरा होने पर वर्षों पुरानी समस्या का स्थायी समाधान संभव हो सकेगा। प्रतिनिधिमंडल में संघ के अध्यक्ष देबाशीष चक्रवर्ती, उपाध्यक्ष लालोन प्रसाद यादव, सहायक महासचिव किंकर पुरकायस्थ, कोषाध्यक्ष अनुपम चौधरी, सहायक कोषाध्यक्ष कानू धर तथा सदस्य रंजीत दास और जॉयदीप चक्रवर्ती शामिल थे। संघ के महासचिव उत्पल दास के अनुसार, सड़क मरम्मत की मांग को लेकर जनप्रतिनिधियों से संपर्क करने का प्रस्ताव हाल ही में आयोजित कार्यकारिणी समिति की बैठक में सदस्य देबाशीं डे द्वारा रखा गया था।

असिस्टेंट कमिश्नर जनरल रमनजीत ने सेवा केंद्र, फर्द केंद्र और सब रजिस्ट्रार ऑफिस का सरप्राइज चेक किया

● काम करवाने आए आम लोगों से बातचीत करके दी जा रही सुविधाओं का रिव्यू किया

कर्मचारियों को स्कीमों का फायदा तय समय में देने के निर्देश दिए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नवांशहर- सरकारी ऑफिसों में लोगों को दी जाने वाली सर्विसेज़ की क्वालिटी और समय पर डिलीवरी पक्का करने के लिए, असिस्टेंट कमिश्नर जनरल रमनजीत ने आज डिप्टी कमिश्नर गुलप्रीत सिंह औलख के निर्देशों पर सेवा केंद्र, फर्द केंद्र और सब रजिस्ट्रार ऑफिस का सरप्राइज चेक किया। चेक के दौरान, असिस्टेंट कमिश्नर जनरल ने अटेंडेंस रजिस्टर, सर्विस देने का टाइम फ्रेम, स्टाफ की मौजूदगी और ऑफिस के रिकॉर्ड को ध्यान से चेक किया। उन्होंने कंप्यूटर, बायोमेट्रिक सिस्टम और कंप्लेंट बॉक्स के काम करने के तरीके को भी टेस्ट किया। सेवा केंद्र में अलग-अलग सर्टिफिकेट और स्कीमों के लिए अप्लाई करने के प्रोसेस का रिव्यू किया गया। इस मौके पर, असिस्टेंट कमिश्नर जनरल ने काम करवाने आए आम लोगों से बातचीत की और सर्विसेज़ मिलने के उनके अनुभव के बारे में जाना। लोगों ने असिस्टेंट कमिश्नर को बताया कि उन्हें अपना काम करवाने में कोई दिक्कत नहीं हुई। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे किसी भी ब्रोकर के जाल में न फंसें और सर्विस के लिए तय फीस ही जमा करें। असिस्टेंट कमिश्नर जनरल रमनजीत ने संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देश दिए कि आने वाले हर व्यक्ति के साथ सम्मान से पेश आया जाए और सर्विस तय समय में दी जाए। उन्होंने कहा कि ऑफिस में सर्विस चार्ट और फीस लिस्ट साफ-साफ दिखाई जानी चाहिए। इस मौके पर संबंधित डिपार्टमेंट के अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद थे। फोटो कैप्शनः असिस्टेंट कमिश्नर जनरल रमनजीत सेवा केंद्र, फर्द केंद्र की चेकिंग के दौरान लोगों से बातचीत करते हुए।

नीट पेपर लीक केस में सीबीआई को जेल में कैद तीन आरोपितों से पूछताछ की मंजूरी

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक मामले में जेल में बंद तीन आरोपितों से पूछताछ करने संबंधी सीबीआई की अर्जी को राउज एवेन्यू की मजिस्ट्रेट अदालत ने स्वीकार कर लिया। सोमवार को ड्यूटी जज सुरेंद्र मोहित सिंह ने आरोपित मनीषा संजय वाघमारे, धनंजय निवृत्ति लोखंडे और शुभम मधुकर खैरनार से न्यायिक हिरासत में पूछताछ करने की अनुमति दे दी। सीबीआई ने अर्जी दाखिल कर न्यायिक हिरासत में पूछताछ करने की अनुमति देने की मांग की थी। सीबीआई ने अर्जी ने कहा कि यह तीनों आरोपित मुख्य साजिशकर्ता हैं और इन्होंने तीन मई को हुई नीट परीक्षा-2026 के प्रश्नपत्र पैसे के बदले लीक करने और उन्हें फैलाने में मदद की थी। अर्जी में जांच के सिलसिले में जरूरी जानकारी पाने के लिए आरोपितों से पूछताछ करने की अनुमति मांगी गई थी। सीबीआई ने इस मामले में 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। नीट पेपर लीक के बाद परीक्षा को रद कर दिया गया था और अब यह परीक्षा दोबारा 21 जून को होगी।

तीक्षण सूद की जन सभा में ने कहा भगवंत मान सरकार ने पंजाब को काले दौर में धकेला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

होशियारपुर- पूर्व कैबिनेट मंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता तीक्ष्ण सूद ने बताया है कि वार्ड न. 28 भाजपा के संभावित उमीदवार ठाकुर केवल सिंह द्वार आयोजित एक विशाल जन सभा में पूर्व कैबिनेट मंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता तीक्ष्ण सूद विशेष तौर पर पहुँचे। श्री सूद के अतिरिक्त अमरजीत सिंह लाड्डी ,यशपाल शर्मा , संदीप तिवाड़ी ,हरभजन पाल , कमल वर्मा , दर्शन सिंह सिद्धू ,मनजीत ,कमला रानी ,भगत सिंह ,कुलदीप सिंह सैनी ,अशोक ठाकुर ,गोरी ,परमजीत सिंह असमा ,वैशाली शर्मा आदि भी उपस्थित थे। जनसभा को संबोधित करते हुए श्री सूद ने कहा कि ठाकुर केवल सिंह बेदाग तथा ईमानदार व्यक्ति है। ना वह दल बदलू है ,ना ही उनकी कोई आपराधिक पृष्ठभूमि है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आम तौर पर लोग सेवा के बल पर आज तक केंद्र में 3 बार सरकार बना चुकी है तथा 22 राज्यों की सरकार भी बना चुकी है। ऐसा तभी संभव हो सकता है अगर भाजपा ने बढ़िया कारगुजारी दिखाई है। पंजाब में भाजपा के कार्यकाल में नगर निगमों में बहुत अच्छे-अच्छे काम हुए है। पंजाब की जनता आम आदमी पार्टी तथा कांग्रेस की कारगुजारी को नकार चुकी है। कांग्रेस के कुसाशन से दुखी होकर लोगो ने बदलाव लाने के लिए आम आदमी पार्टी को चुना। परंतु उस बदलाव को मुख्यामंत्री पंजाब की अगवाई में पंजाब को काले दौर में धकेल दिया। पंजाब को गैंगस्टरमुक्त करने वाली सरकार के संरक्षण में आज गैंगस्टर जेलों से लोगो तक अपनी बात पहुंचा रहे है तथा व्यापारी वर्ग को फ़िरोतियो की धमकी देकर परेशान किया जा रहा है।

नशा पहले से बढ़ गया है ,वेअदवियों की सज़ा नहीं हुई। जनता कानून व्यवस्था की बिगड़ी हालत से त्राहि -त्राहि कर रही है। केवल भारतीय जनता पार्टी ही पंजाब को इस काले दौर से निकाल सकती है।भाजपा की नीतियों से प्रभावित होकर दर्जनों युवाओं ने इस मौके पर अरुण कुमार के नेतृत्व में भाजपा ज्वाइन की तथा उनके पटके पहना कर स्वागत किया गया।